

राजपत्र हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

]		शिमला, शनिव	ार, 22 f	दसम्बर, 1984	l/1 पौष, 19	06	٠	संख्या 51
			_				_,	
वैश्वानिक	तियमों को छोड़	कर हिमाच न प्रदेश ह	हे रा ज्य पाल	भौर हिमाचन प्र	देश हाई कोटं द्वा	रा <i>घ</i> ष्टिसूचना	इस्यादि	1420—1422 तथा
वैद्यानिव	नियमों को छोड़ व	र विभिन्न विभागों	के मध्यक्षों व	गैर जिला मैजिस	ट्रेटों द्वारा ग्रक्षि	पुचनाएं इस्वारि	à	1453-1454 14221424
अधि निय हिमा	म, विधेयक श्रीर वि चन प्रदेश हाई को	इधेयकों पर प्रवर सर्हि , फाइनेन्शल कमिश	निति के प्रतिवे नरतथाकशि	दिन, वैद्यानिक नि रम्नर माफ इन्कम्	विम तथा हिमाच स-टैक्स द्वारा ग्रा	ल प्रदेश के रा प्रतित ग्रादेश	•यपास, इस्मादि	1425144:
y .							1	
1			• •					1443-145
भारतीय	राज् पन्न इत्यादि	में से पुनः प्रकाशन	1 , .					
भारतीय निर्वाच	निर्वाचन ग्रायोग ान सम्बन्धी ग्रांचर	(Election Com	mission	of India) कं	ी वैद्यानिक ग्रा	धेमूचनाएं तय	ा मन्य	
भनुपूर _क	.*		• •	••			• •	
	वैधानिक प्रेष्टानिक हिमा स्थानीय वैयक्तिक भारतीय भारतीय	वैधानिक नियमों को छोड़ व वैधानिक नियमों को छोड़ व अधिनियम, विधेयक श्रीर वि हिमाचल प्रदेश हाई कोत स्थानीय क्वायत शासनः स्यू वैयक्तिक अधिसूचनाएं भ्रोत भारतीय राजपन्न इत्यादि भारतीय निर्वाचन सायोग निर्वाचन सम्बन्धी स्वित्	वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश वें वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों भिवित्यम, विधेयक श्रीर विधेयकों पर प्रवर सि हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनेन्शल कमिश्र स्थानीय स्वायत शासनः स्यूनिसिपल बोर्ड, बिस् वैयक्तिक प्रधिसूचनाएं भीर विज्ञापन भारतीय राजपल इत्यादि में से पुनः प्रकाशन भारतीय निर्वाचन स्थायोग (Election Com निर्वाचन सम्बन्धी सिंस्सूचनाएं	विषय- वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचन प्रदेश के राज्यपाल वैधानिक नियमों को छोड़ कर विधिन्न विभागों के प्रध्यक्षों है प्रधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवे हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, काइनेन्शन कमिश्नर तथा कि स्थानीय स्वायत शासनः स्यूनिसिपन बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नो वैयक्तिक प्रधिसूचनाएं भीर विज्ञापन भारतीय राजपन्न इत्यादि में से पुनः प्रकाशन भारतीय निर्वाचन सायोग (Election Commission निर्वाचन सम्बन्धी धांतसूचनाएं	विषय-सूची विषय-	विषय-सूची विषय-सूची वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल भीर हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट बा वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के मञ्ज्यकों और जिला मैजिस्ट्रेटों हारा प्रक्षित्र प्रवित्यम, विधेयक भीर विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक निवम तथा हिमाच हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनेन्शल किमस्तर तथा किमस्तर माफ इन्कम-टेक्स हारा भी स्थानीय क्वायत शासनः स्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड भीर टाउन एरिया तथा वैयक्तिक प्रधिस्चनाएं भीर विज्ञापन भारतीय राजपल इत्यादि में से पुनः प्रकाशन भारतीय निर्वाचन सायोग (Election Commission of India) की वैधानिक प्रा निर्वाचन सम्बन्धी प्रविस्चनाएं	विषय-सूची विषय-सूची विषय-सूची विषय-सूची विषय-सूची विषय-सूची विषयमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल भीर हिमाचल प्रदेश हाई कोट द्वारा अधिसूचनाएं इत्या अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के रा दिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, काइनेन्शल किमश्नर तथा किमश्नर आफ इन्कम-टेश्म द्वारा अधिपूचित प्रावेश स्थानीय स्वायत शासनः स्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड भीर टाउन एरिया तथा पंचायती राज्य वैयक्तिक प्रधिसूचनाएं भीर विज्ञापन भारतीय राजपल इत्यादि में से पुनः प्रकाशन भारतीय राजपल इत्यादि में से पुनः प्रकाशन भारतीय निर्वांचन प्रायोग (Election Commission of India) की वैद्यानिक प्रधिसूचनाएं तथ	विषय-सूची वैधानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल भीर हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि वैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के मध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा प्रधिसूचनाएं इत्यादि अधिनियम, विधेयक भीर विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक निवम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनेन्सल किमम्तर तथा किमम्तर आफ इन्कम-टेक्स द्वारा अधिपूचित प्रावेश इत्यादि. स्थानीय क्वायत शासनः म्यूनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड भीर टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाय वैयक्तिक प्रधिसूचनाएं भीर विज्ञापन भारतीय राजपल इत्यादि में से पुनः प्रकाशन भारतीय राजपल इत्यादि में से पुनः प्रकाशन भारतीय निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं

2503-राजपत/84-22-12-84---1,298.

No. 3-21/84-ELN, dated 6th December, 1984.

विश्वप्ति की संख्या

(1419)

विमाय का नाम

Directorate of State Lotteries

-do-

Election Department

मूल्य: 1 इपया

विषय

Result of 220th Draw of State Lottery "Himalayan Weekly" held at Shimla on 11-12-1984.

Result of 48th Draw of State Lottery "Golden Weekly" held at Shimla on 14-12-1984.

Republishing Election Commission of India's notification No. 82/HP-LA/(7/82)/84, dated 27th November, 1984.

थाग 1-वैद्यानिक नियमों की छोड़ कर हिमाचल प्रवेश के राज्यपात और हिमाचल प्रवेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इस-

हिमाचल प्रदेश सरकार

PERSONNEL DEPARTMENT

(APPOINTMENT-I SECTION)

NOTIFICATIONS

Shimla-171002, the 30th November, 1984

No. 6-7/73-DP(Apptt-I)III.—In partial modification of this Department's notification of even number, dated 14th December, 1983, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to order that Shri R.P. Chaudhary, Under Secretary (Non-HPAS) in the office of Lokayukta, Himachal Pradesh, who has been given extension in service by six months, shall retire from Government service on attaining the age of superannuation on 31-12-1984.

K. C. PANDEYA, Chief Secretary.

Shimla-171002, the 4th December, 1984

No. PER(A-I)-B(3)-25/78.—The Governor, Himachal Pradosh is pleased to order that Shri B. R. Lakhanpal, I.A.s., Director of Welfare, Himachal Pradesh shall retire on attaining the age of superannuation on the 31st March, 1985 (A.N.).

Shimla-171002, the 4th December, 1984

No. PER(A-I)B (3) 43/81.—The Governor, Himachal Pradesh, is pleased to order that Shri O. P. Sabhlok, Chief Engineer (North), H.P., P.W.D., Dharamshala shall retire from Government service on attaining the age of Apparannuation on the 30th April, 1985 (A.N.).

By order, K, C. PANDEYA, Chief Secretary.

(SECRETARIAT ADMINISTRATION SERVICES)

Shimla-2, the 4th December, 1984

No. Pers. SAS-II-B(10)9/82.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order that Shri Dharam Prakash Chauh in, Section Officer, Himachal Pradesh Secretariat on att. ining the age of superannuation, will retire from Government service on 31-12-1984 (A.N.).

Sd/-Under Secretary.

FOREST FARMING AND CONSERVATION

DEPARTMENT

NOTIFICATIONS

Shimla-2, the 5th December, 1984

No. 1-14-72-SF(Estt.).—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the retirement of Shri T. S. Patyal, I.F.S. Deputy Conservator of Forests, with effect from 31-3-1985 (afternoon) i.e. the date of his superannuation.

Shimla-171002, the 7th December, 1984

No. Fts.(1)B(3)-8/84.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the retirement of Shri Ram Swarup, HPFS-II, presently on deputation with the H. P. State Forest Corporation, with effect from 31-5-1985 (A.N.) on his attaining the age of superannuation.

Shimla-171002, the 7th December, 1984

No. Fts. (I) B (3)-1/81.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the retirement of Shri Chattar Singh, HPFS-II, ACF Rejgarh with effect from 30-11-1985 (A.N.) on his attaining the age of superannuation.

Shimla-171002, the 7th December, 1984

No. SC-B(3)-21/82.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the retirement of Shri N. K. Negi, инръз-п, D F.O. Silviculture, Shimla, with effect from 30-11-1985 (A.N.) on his attaining the age of superannuation.

Shimla-171002, the 7th December, 1984

No. Fts. I (B) 3-14/82.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order the retirement of Shri Sansar Dass, HPFS-II, A.C.F Rohroo Division with effect from 30-9-1985 (A. N.) on his attaining the age of superannuation.

By order,
P. K. MATTOO,
Additional Chief Secretary-cum-Secretary

FISHERIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 17th October, 1984

No. Fish-F (10)1/84.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to constitute the State Level Advisory Committee on protection of fishing and development of fishing tourism. The Committee shall consist of the following members:—

- 1. Secretary (Fishries) to the Government of Himachal Pradesh.

 Chairman
- Chief Warden of Fisheries, Himachal Pradesh.
 Commissioner (Tourism) to the Member

Member

Member

- Commissioner (Tourism) to the Government of Himachal Pradesh.
 - 4 Managing Director, Himachal Pradesh Tourism Development Corporation.
 - . Assistant Director of Fisheries, Mandi.
- Assistant Director of Fisheries, Member Shimla.
- Assistant Director of Fisheries, Member-Secretury.
 Pong Dam Reservoir Division,
 Jassur.

Non-official Members:

- 1. Three members of Executive Committee of the Himachal Pradesh Angling Association.
- One person each from Kullu, Mandi and Rohru to be nominated by the Chairman.
- 3. The payment of TA/DA to the non-official members shall be regulated as per annexure to this notification. The Controlling Officer in respect of non-official members will be Chief Warden of Fisheries, Himachal Pradesh. The expenditure involved will be debitable to the Head—312 Fisheries, (d) (xiv) Management and Development of Sport Fisheries, Plan (Conservation).

- 4. The functions of the committee will be as under:-
- (1) to review the position of development and protection of sport fisheries and fishing tourism in Himachal Pradesh;
 - to suggest necessary measures to strengthen the conservation aspect of fisheries with special reference to fishing tourism;
 - review of the progress of the programme of conservation and fishing tourism in Himachal Pradesh;
 - (4) any other function which the Government may assign from time to time.

ANNEXURE A

T.A. and D.A. to Non-official Members of the Committee:

1. Travelling Allowance:

- (a) Journey by rail.—Other than members of Parliament. They will be treated at par with Government servant of the first grade, and will be entitled to actual rail fare of the class of accommodation actually used but not exceeding the fare in which the Government servants of the first grade are normally entitled, i.e. accommodation of the highest class by whatever name it may be called provided in the railway by which the journey is performed.
- (b) Journey by road.—They will be entitled to actual fare for travelling by taking single seat in public bus, and if the journey is performed by motor cycle/socoter, mileage allowance at 50 paise per km. for plain areas and 0.65 paise for hilly areas if the journey is performed by own car or full taxi, the members will be entitled to mileage allowance at Rs. 1.65 paise per km. in respect of the journeys in the plain and Rs. 2/- per km. in ect of the journeys for hilly areas.

In addition to the actual fare or mileage as per items (i) and (ii) above a member shall draw daily allowance for the entire absence from the permanent place of residence starting with arrival at that place, at the same rate and subject to the same terms and conditions as apply to grade-I officers of the State Government.

2. Daily Allowance:

- (1) Non-official members be entitled to draw daily allowance for each day of the meeting at the highest rate as admissible to the Government servant of the first grade for the respective locality.
- (ii) In addition to daily allowance for the day(s) of the meetings, a member shall also be entitled to daily allowance for halt on tour at out station in connection with the affairs of the Committee as under:—
 - (a) If the absence from headquarters does not exceed 6 hours
 (b) If the absence from headquarters exceed 6

Nil.

70%

Full.

- (b) If the absence from headquarters exceed 6 hours but does not exceed 12 hours ...
 (c) If the absence from headquarters exceed 12
- hours

3. Conveyance Allowance:

A member resident at a place where the meeting of the Committee is held will not be entitled to travelling and daily allowance, on the scales indicated above, but will be allowed only the actual cost of conveyance hire, subject to a maximum of Rs. 10 per day. Before, the claim is actually paid for Controlling Officer should verify the claims and satisfy himself after obtaining such details as may be considered necessary, that the actual expenditure was not less than the amount claimed.

If such a member used his own car, he will begranted mileage allowance, at the rates admissible to officials

of the first grade subject to maximum of Rs. 10.00 per day.

- 4. The travelling and daily allowance will be admissible to members on production of a certificate by him to the effect that he has not drawn any travelling or daily allowance for the same journey and halts from any other Government source.
- 5. The members will be eligible for travelling allowance for the journeys actually performed in connection with the meetings of the Committee from and to the place of their permanent residence to be named in advance. If any member performs a journey from a place other than the place of his permanent residence to attend a meeting of the Committee or return to the place other than the place of his permanent residence after the termination of the meeting, travelling allowance shall be worked out on the basis of the distance actually travelled or the distance between the place of permanent residence and the venue of the meeting whichever is less.
- 6. The provisions of rules 4.7 and 7.1 of the Himachal Pradesh Treasury Rules will apply mutatis mutandis in the case of over payments made on account of travelling allowance to non-official members.
- 7. The members will also not draw T.A. & D. A. including conveyance allowance which will disqualify them from the Vidhan Sabha.

8. Official Members:

The official members shall be entitled to the travelling and daily allowance according to the rules governing them.

> B. C. NEGI, Secretary.

GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT NOTIFICATIONS

Shimla-171002, the 10th December, 1984

No. GAD-A (F) 10/4/84.—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to declare Mani-Muhesh fair of Chamba, District Chamba, as a State Level Fair from the year 1984 onwards.

By order, S. S. SIDHU, Commissioner-cum-Secretary.

Shimla-2, the 10th December, 1984

No. GAD-A (G) 1-4/83.—The General Elections to the Lok Sabha and the Bye-election to Dharampur Constituency of Himachal Pradesh State Assembly in Mandi district, are to be held on Monday, the 24th December, 1984. In order to make it convenient for the voters to exercise their right of franchise during the said election, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to declare the 24th December, 1984 as a local holiday in the State Government Offices for this purpose.

This will also be a paid holiday in industrial establishments and for daily rated employees as well as a holiday under section 25 of the Negotiable Instruments Act, 1881.

P. K. MATTOO, Additional Chief Secretary.

HOME DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 6th November, 1984

No. Home-D (B-3)-42/83.—The Government of Himachal Pradesh, regrets to announce the sudden death of Shri Tulsi Ram, Deputy Superintendent of Police posted at Police Training School, Junga, which occurred on 19th October, 1984.

K. C. PANDEYA.

Chief Secretary.

श्रम, रोजगार तथा मुद्रण विभाग

ग्रधिसूचना

शिमला-171002, 30 नवम्बर, 1984

1-28/82.—-राज्यपाल<u>.</u> हिमाचल प्रदेश सख्या श्रम (श्र) श्री एन 0 एल 0 प्रवस्थी, जिला रोजगार ग्रधिकारी को उनकी ग्राय 58 वर्ष पूरी होने पर दिनांक 31-7-1985 (ग्रपराहम) से सेवा निवृत होने के सहर्ष भादेश देते हु।

> ग्रादेश से. हस्ताक्षरित/-वित्तायुक्त एवं सचिव ।

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 2nd April, 1984

No. PBW-2-B (7) 2/83.—The Governor, Himachal Pradesh, is pleased to allow the grant of selection grade of Rs. 2000-2300 to Shri B. P. Malhotra, Architect (now Sr. Architect) in Himachal Pradesh Public Works Department with effect from 29-12-1982.

> By order, C. P. SUJAYA Commissioner-cum-Secretary.

नाग 2-वंधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और ज़िला मैजिस्ट्रेटो द्वारा ग्रांधसुन्यकाएं इत्यादि

उद्योग विभाग

नीलामी स्वना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कांगड़ा जिला की लघु खनिज खानों की सार्वजितक नीलामी महा-प्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, धर्मशाला (कांगड़ा) के कार्यालय में दिनांक 5-2-1985 की प्रात: 11-00 बज की जायेगी। पूर्ण जानकारी के लिए महा-प्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र, धर्मेशाला के कार्यालय से सम्पर्क स्थापित करें।

> हस्ताक्षरित/-निदेशक उद्योग. हिमाचल प्रदेश।

AUCTION NOTICE

It is hereby notified for the information of general public that the auction of Minor Mineral Quarries of Kangra district will be held on 5-2-1985 in the office of the General Manager, District Industries Centre, Dharamshala (Kangra) at 11.00 A.M. Interested persons may contact the General Manager, District Industries Centre, Dharamshala (Kangra) for detailed information

regarding the terms and conditions of the auction.

Director of Industries, Himachal Pradesh.

Office of the District Magistrate, Mandi, District Mandi

OFFICE ORDER

Mandi, the 21st November, 1984

No. 26-MD-MLC-(24)/84-52665-72.—In pursuance of notification No. 26 MD-MLC (24)/84-38787-93, dated 15th October, 1984, it is hereby ordered that the restrictions imposed for plying of buses and trucks moving in the direction of Sundernagar/Kullu to use the National

Highway No. 21, will remain in force till further orders.

District Magistrate Mandi,

District Mandi.

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

NOTIFICATIONS

Whereas it appears to the Governor, Himachal Pradesh that land is likely to be required to be taken by the Himachal Pradesh Government at the public expense for a public purpose, namely for*. It is hereby notified that land in the locality described below is likely to be acquired for the said* purpose.

This notification is made under the provision of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 to all whom it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other

Any person interested who has any objection to the acquisition of the said land in the locality may, within thirty days of the publication of this notification, file a objection in writing before the Collector of Land Acquisition, Shimla-2

*Construction of Jubbal to Dhar road.

acts required or permitted by that section.

No. SE-II-R-54-2/84-18105-8.

Shimla-3 the 12th November, 1984,

CDECIEICATION

	SPECIFICATION			
District: SHIM	ILA	Tehsil: JUI	3BAI	
Village	Khasra No.	Are		
1	2	Big 3	Bis	
SHARI	5445/2/2	5	4	
	5452	5 2 7 2 1 0 4 6 4 2 2 5 2 2 2 2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	9	
	5463	7	19	
	5 46 5	2	13	
	5467	1	17	
	5464	0	8	
	54 45/1	4	6	
	544 8	6	11	
	5447	4	19	
	5446	2	14	
	5449/1	2	2	
	5454	5	13	
	5 46 0	2	19	
	5477	2	4	
	5449/2	2	1	
	5451	1	13	
	5474	1	16	
	5450	1	7	
	5453	3	17	
	5472	3	1	
	5461	1	7	
•	5466	0	18	
	5473/2	2 2 7	4 7 14	
	5473/1	2	7	
	5462	7	14	

5468

0

0

							1423
1		2	3	4	1	2	3 4
	,	5478 5475 5580 5578 5586/2 5586/1/2	0 1 2 0 3 189	9 7 2 10 0		352/1 42 55/1 159/1 200/1	2 7 0 13 0 6 0 4 0 3
		5581/1 5581/2	6 5	11	Kitta	22	10 6
		5579/2	2	4	No. SE-II-R-54-	2/84-18601-4.	
K	itta	35	291	13	DHARONK		th November, 1984

Whereas it appears to the Governor, Himachal Pradesh that the land is required to be taken by the Government at the public expense for a public purpose, namely*. It is hereby declared that the land described in the specification below is required for the said* purpose.

The declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894 to all whom it may concern and under the provisions of section 7 of the said Act, the Collector, Land Acquisition, Himachal Pradesh Public Works Department, is hereby directed to take order for the acquisition of the

A plan of the land may be inspected in the office of the Collector, Land Acquisition, Himachal Pradesh P.W.D., Shimla-2.

*Construction of Koku Nalla-Dharonk link road.

No. SE-II-R-54-2/84-18597-600.

Shimla-3, the 19th November, 1984.

SPECIFICATION

District: SHIMLA		Tehsil:	KOTKI	IAI
Village	Khasra No.		Are Big.	
JANGAL	4/5/1		1	4
MAHDUDA	4/3/1		0	11
KAMALI .	4/11/1		2	10
	4/14/1		1	16
	20/14/1		1	6

JANGAL		4/5/1	1	4
MAHDUDA		4/3/1	(11
KAMALI	. 4	1/11/1	2	
	4	/14/1	1	16
	20	/14/1		
	4	1/10/1	2	6
	4	/12/1	1	14
	4	1/13/1	1	0
		4/4/1	1	9
		3/1	4	15
		4/1	8	
		4/2	27	12
		4/3	19	8
		4/4	9	1
		25/1	24	0 12 8 1 9
	Kitta	15	100	5 18

No. SE-II-R-54-2/84-18605-8.

110. 023 11-14 3	4 2/0 - 10005-8.		
60	Shimla-3, the	19th November,	1984.
BHOG	22/1	0	6
	264/23/1	0	6
	265/23/1	0	1
	155/1	0	13
	41/1	0	5
	156/1	0	
	161/1	. 0	
	204/1/1	0	2
	154/1	0	
	46	1	7
	47/2/1	ō	
	47/2/2	0	
	44/1	ō	
	44/2	Õ	16
	45/1	ő	9
	162/1	Ö	
	162/2	, C	

116/1 69/1 165/1 Ö 119/1 Û 196/1/1 ļ 169/1 0 6 138/1 0 75/1 O 77/1 78/1 1 260/83/1 270/74/1

164/1

269/74/1

8 2 9 1 0 2 105/1 90/1 11 198/1 6 5 5 2 1 198/2 0 196/1 0 91/1 0 117/1 0 163/1 18 2 3 0 197/1 0 197/2 0 137/1 0 166/1 Kitta .. 27 S.K. AGGARWAL,

Superintending Engineer, 2nd Circle, H. P. P. W. D., Shimla-3. Whereas it appears to the Governor, Himachal Pradesh that land is likely to be required to be taken

by the Government at the public expense for a public purpose, namely * It is hereby notified that the land in the locality described below is likely to be acquired for the said* purpose.

This notification is made under the provisions of section 4 of the Land Acquisition Act, 1894 to all whom

it may concern.

In exercise of the powers conferred by the aforesaid section, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to authorise the officers for the time being engaged in the undertaking with their servants and workmen to enter upon and survey any land in the locality and do all other acts required or permitted by that section. Any person interested, who has any objection to the

acquisition of the said land in the locality may, within thirty days of the publication of this notification. file an objection in writing before the Collecter of Land Acquisition, H.P. P. W.D. Winter field Shimla-3.

*Improvement of road from Richmond to Jodha Niwas.

No. SE-IV-R-5/84-17938-41.

Shimla-3, the 6th November, 1984.

District:	SHIMLA	ECIFICATION	Tehsil:	SHIM	ILA
Village		Khasra No.		Arc	
1		2		s. yd.	sit.
STATION BARA SI	WARD HIMLA	464/1 477		85 71	3 5
7	Fotal kitta	2		156	8

	CD CD II I	 		_		~ ~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~
	n of Banuti-Pahal road. R-8/84-17934-37.		I	2	3	4
140. DE-17-P	Shimla-3, the 6th	November, 1984.			203/2/1 204/2/1	0
Village	Khasra No.	Area			211/1	0 7
1	2	Big. Bis 3 4			213/1 218/1	0.7
BHRAICH	88/1	0 4			215/1	0
BIIKAICII	89 सालम	0 6			216/1 17/1	0
	112/89/1	0 6 0 14			19/1	60
	8/1 4/1	0 2			23/1	0
	7/1	0 11			24/1 69/1	0
	94/1 86/1	0 15 0 5			68/1	0
	98/1	0 11			67/1 6 6/1	0
	90/1 95/1	0 13 0 4			65/1	0 (
	97/1	0 1			58/1 27/1	0
	1/1 96/1	4 14 0 3			89/1	1 (
	105/1	5 11			26/1 214/1	6 1
Total	kitta 15	15 0		Kitta	29	20 (
Construction of	f Ellysium-Devidhar road.		BARI	BARI	248/1	
lo. SE IV-R-10	00/84-18540-43.				257/1	0 0
	Shimla-3, the 21st N	ovember, 1984.			259/1 260/1	0 0
1	2	3 4			261/1	0 0 0 1
HARARI	153/91/3/1	0 2			264/1	0 0
ITANANI	•				266/1 265/2	© 0 0 1
		AUHAR,			89/1	0 0
	Superintending 4th Circle, H. P. P. W. D.				90/1 92/1	0 0
Nison	ur, the 30th October, 198				93/1	0 \ 0
					101/1 102/1	0 0
	JSR-4/84-10614-18.—Wher of Himachal Pradesh that t				103/1	0 0
	i to be taken by the Govern		•		104/1 105/1	0 1: 0 0'
	r a public purpose, namely				106/1	0 0
il5, in Tehsil	n "Bari Batrahan to Chatt Nurpur, District Kang	ra, Himachal			118/1 134/1	0 10
idesh", it is he	reby notified that the land	in the locality			132/1	0 07
rpose.	is likely to be required for	or the above	•		171/1	0 02
-	cation is made under the	provisions of			169/1 136/1	0 10 0 0 9
tion 4 of the I	and Acquisition Act, 1894	to all whom			138/1	0 0 9
may concern.					139/1	0 14
In exercise of	of the powers conferred by	he aforesaid			141/1	0 13
tion, the Gove	ernor, Himachal Pradesh	is pleased to			143/1	0 16
norse the offic lertaking with	ers for the time being eng their servants and works	aged in the			144/1	1 12
n and survey	any land in the locality	and do all			145/1	0 10
er acts require	d or permitted by that sec	tion.			146/1	0 02
Any person	interested, who has any obj	ection to the			147/1	0 . 05
usition of the	said land in the locality	may, within			203/1	o * 05
P. Rajpatra, hi	publication of this notific le an objection in writing	before the			204/1	1 00
d Acquision C	Collector, H.P.P.W.D., Kan	gra.			213/1	0 04
	SPECIFICATION				214/1	0 07
rict: KANG		NURPUR			221/1 222/1	0 03
					224/1	0 017
ıza Tikka	Khasra N .	Area in K. M.			225/1	0 01
l 2	3	4 5			227/1	10 18
TRAN BATE	RAN 137/2/I	0 03			135/1	2 19
	135/1	0 01		Kitta	42	
	134/1 133/1	0 00 0 07				30 01
	127/1	0 03	То	tal kitta	71	50 03
	126/1	0 12			F	By order,
	106/1 105/1	0 12 0 05			K. K. M.	AHAJAN,
	•	~ ~ ~ ~			Superintendi	

भाग 3—अधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनेन्शल कमिश्नर तथा कमिश्नर आफ इन्कम टैक्स द्वारा ग्रिधिसूचित आदेश इत्यादि

PERSONNEL DEPARTMENT

NOTIFICATIONS

Shimla-2, the 2nd April, 1984

No. PER (SA-I)-A (1)-1/75.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh after consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following Rules to amend the Himachal Pradesh Law Department Class-II Service (Recruitment and certain conditions of service) Rules for the post of Officer-on-Special Duty (Law), 1976 notified vide Notification No. PER (AP-II)-A (1)1/75, dated 19-6-1976, namely:-

1. Short title and comm neement.—(i) These Rules may be called the Himachal Pradesh Secretariat (Law Department) Class-II Service (Recruitment and certain conditions of service) (First Amendment) Rules for the post of Codification and Publication Officer, 1984.

(ii) They shall come into force from the date of issue of this notification.

2. Amendments.—The name of the post Officer-on-Special Duty (Law) indicated in Col. No. 1 of the Annex-ure-A to the existing rules shall be substituted as

"Codification and Publication Officer." The pay-scale of Rs. 350-25-500-30-590/30-830-35-900, indicated in Col. No. 4 of Annexure A to the existing rules shall be substituted as under:—

> "Rs. 825-25-850-30-1000/40-1200/50-1400-60-1580 plus Rs. 50/- as Special Pay.'

शिमला-2, 12 अप्रैल, 1984

सं0 पर0 (ए. पी.-f H)बी (2) 15/75.—भारतीय संविधान के बनुच्छेद 309 के परन्तुक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, राजपत हिमाचल प्रदेश दिनांक 3-4-1976 तथा 27-11-76 में प्रकाशित इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21-2-1976 तथा 13-11-1976 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश सिविल सर्विसिज (प्रीमिच्योर रिटायरमैंट) नियम, 1976 में सहर्ष निम्न-लिखित संशोधन करते हैं, नामत --

AMENDMENTS

- 1. Short title and commencement.
- These rules may be called the Himachal Pradesh Civil Services (Premature Retirement) (Third Amendment) Rules, 1984.
- These shall come into force with immediate effect.
- Amendment.

In the opening paras of this department notifications No. Per (Ap-II)B(2)15/75 dated 21-2-1976 and 13-11-1976, the following words shall be deleted:-

"and all other powers enabling him in this behalf."

> के0 सी 0 पाण्डेय. मस्य सचिव ।

स्यानीय स्वशासन विभाग

श्रधिसूचना

शिमला-2, 18 ग्रगस्त, 1984

संख्या एल 0एस 0जी 0-ए (9) 9/81. - इस विभाग की समसंख्यक म्रिधिसूचना दिनांक 31-10-82 का ग्रिधिकमण करते हुए ग्रीर हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1979 (1980 का अधिनियम संद्यांक 9) की बारा 394(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, शिमला नगर निगम द्वारा उक्त अधिनियम को घारा 74(क) के अबीन निर्मित विनियम, 1984 के अनुमोदन तया प्रकाशन की अनुमति प्रदान करते हैं:---

शिमला नगर निगम कर्मवारी भविष्य निधि विनियम, 1984

- संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ ग्रौर विस्तार.—(1) इन विनियमों का संजिप्त नाम जिमला नगर निगम कर्मचारी भविष्य निधि विनियम, 1984 है ।
 - (2) ये तुरन प्रवृत होंगे।
- (3) हिमाचल प्रदेश नगर निगम ग्रिधिनियम, 1979 की धारा 74(क) के उपबन्धों के ग्रम्थधीन से विनियम पूरी स्थापना पर लागू होंगे जिस पर अधिनियम लागू है।
- परिभाषाएं:—इन विनियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यया **अ**पेक्षित न हो,—
 - (क) "ग्रधिनियम" से नगर निगम ग्रधिनियम, 1979 ग्रभिप्रेत
 - (ख) "वेतन" से मासिक वेतन की राशि अभिन्नेत है और अवकाश वेतन, विशेष वेतन, महंगाई वेतन या वेतन के रूप में वर्गीकृत अन्य कोई पारिश्रमिक इस के अन्तर्गत होंगे।
 - (ग) "्हायक स्रायुक्त सचिव" से शिमला नगर निगम का सहायक भ्रायुक्त सचिव भ्रभिष्रेत है।
 - (घ) "कुट्मब" से अभिप्रेत है:---

ग्रभिदाता का पति ग्रथवा पत्नी, वैध तथा सौतेले वच्चे, ग्रभिदाता के साथ रहने वाले तथा उस पर पूर्ण रूप से ग्राश्रित माता-पिता, बहुनें तथा अवयस्क भाई, अभिदाता के मृत पूत्र की विधवा ग्रौर बच्चे ।

टिप्पणी 1:-- बच्चों से वैध वच्चे ग्रभिप्रेत है। टिप्पणी 2:-- कोई दत्तक बच्चा, बच्चे के रूप में समझा जायेगा जब ग्रायुक्त को कोई सन्देह हो जाए तब विधिक सलाह प्राप्त करने के पश्चात ग्रौर उसका समाधान हो जाने के पश्चात् कि ग्रभिदाता के स्वीय विधि के ग्रधीन दत्तक ग्रहण को ऐसी विधिक मान्यता है जो वास्तविक बच्चों की हैसियत प्रदत्त करती है।

टिप्पणी3:-- जब किसी व्यक्ति ने ग्रपने बच्चे को दत्तक के रूप में किसी ग्रन्य व्यक्ति को दिया हो ग्रीर यदि दत्तक ग्राही की स्वीय विधि के ग्रधीन दत्तक ग्रहण के वास्तविक बच्चे की हैसियत प्रदत्त करने को विधि मान्यता प्राप्त हो तो इन नियमों के प्रयोजन के लिए ऐसा बच्चा वास्तविक पिता के परिवार से ग्रपवर्जित समझा जायेगा ।

 निधि की स्थापना---निगम द्वारा, निधि की स्थापना शिमला नगर निगम के अधिकारियों तथा अन्य कर्मचारियों के लिए की जायेगी।

 श्रिभदान की शत ब्रौर दर.—(1) निगम के भविष्य निधि स्थापित करने और बनाए रखने के संकल्प की तारीख को या उसके पश्चात् नियुक्त या पदोन्नत किए गए प्रत्येक कर्मचारी के लिए, ऐसी भविष्य निर्धि में ग्रपने वेतन की साढ़े ग्राठ प्रतिशत दर से ग्रभिदाय करना अपेक्षित होगा या ऐसे संकल्प से पूर्व ऐसे पद पर नियुक्त या पदोन्नत कोई कर्मचारी ऐसे निधि में अभिदाय कर सकेगा:

परन्तु यह कि ग्रभिदाता, दो वर्ष की लगातार सेक्वा पूरी करने के पण्चात् ही भविष्य निधि में ग्रभिदाय करने का पात्र होगाः

परन्तु यह ग्रौर भी कि यदि ग्रभिदाता ऐसा चाहे तो वह भविष्य निधि में उच्च दर पर ग्रभिदाय कर सकता है परन्तु 8½ प्रतिशत से दुगने से ग्रधिक दर पर नहीं।

- (2) निधि ं लिए ग्रिभिदान ग्रिभिदाता के वेतन का 8 के प्रितंजित होगा । राजि पूरे रूपयों में ग्रिभिट्यक्त की जायेगी, ग्रर्थात् जब गणना में पचास पैसों के कम पैसों की राजि अन्तर्वालत हो तो पैसे छोड़ दिये जायेंगे और यदि यह राजि पच्चास पैसे अथवा इससे ग्रिक हो तो पूरे एक रुपये की कटौती की जायेगी । ऐसे ग्रिभिदान की कटौती ग्रायुक्त द्वारा प्रत्येक ग्रिभिदाता के वेतन से प्रतिमास की जायेगी तथा इस प्रकार की कटौती की राजि ग्रिभिदाता की निष्
- 5. निगम द्वारा अजदान.—प्रत्येक मास ६ अन्त में निगम द्वारा अभिदाता के वेतन का 8½ प्रतिज्ञत के बराबर की राणि निधि में अभदान के रूप में अभिदाय की जायेगी तथा अभिदाता के लेखे में अमा करवाई जायेगी:

परन्तु यह कि निगम का कोई भी कर्मचारी जा बेइमानी या चोर अबचार का दोषी है और परिणामस्वरूप नियोजन से पदच्युत कर दिया गया हो, निगम द्वारा निधि के लिए उसके खाते में किसी भी समय किए गए अंगदान या उस पर संचित ब्याजया लाभांश के किसी भी भाग की प्रमुविधा या प्राप्त करने का अधिकारी नहीं होगा और निगम को किसी भी कर्मचारी के खाते में तत्समय जमा राशि में से, निगम द्वारा किसी भी समय उसकी देइमानी या उपेक्षा के कारण उठाई गई हानि या क्षति के बरावर राशि परन्तु किसी भी स्थित में निगम द्वारा उसके लेखे में जमा कराए गए अंशदान और ऐसे अंशदान पर प्रोदमूत व्याजया बढ़ोतरी की कुल राशि में अनिधक, प्रथम प्रभार के रूप में बमूल करने का अधिकार होगा:

परन्तु यह श्रीर कि कोई भी कर्मचारी जिसने निधि में अभिदाय के प्रारम्भ होने के दो वर्ष के भीतर नियोजन से त्यागपत्र दे दिया हो. निगम ढारा निधि में दिये गये ग्रंशदान की राशि और ऐसे मंजदान पर प्रोदमून व्याज के किसी भाग या ग्रंश को प्राप्त करने का अधिकारी नहीं होगा जब तक कि वो आयुक्त के समाधान के लिए यह निद्ध न कर दे कि उसका त्याग-पत्न आगे सेवा करने में अनमर्थ होने के कारण आवश्यक था।

6. व्याज — निधि में जमा समस्त राशि पर देय व्याज दर का प्रविधारण समय-समय पर प्रायुक्त अथवा निगम द्वारा किया जायेगा। तथा ऐसी व्याज की राशि प्रतिवर्ष अभिदाता के लेखे में जमा की जायेगी अभिदाता को देय वार्षिक व्याज का परिकलन करते समय प्रत्येक वार पैसे विल्कुल अलग कर दिये जायेंगे। इस प्रकार अदत्त शेष अगले वर्ष प्रजित व्याज में जोड़ दिया जायेगा।

ब्याद की ब्रान्तों राजि का परिवलन उपरोक्त ब्रव्धारित दर पर प्रवे गेप तथा ब्रांजित वर्तमान ब्याज की कुल राजि पर किया जायेगा किर भी वर्ष के भीतर तथ किये गुप्त लेख पर ब्याज वचत वैक खाते स देय विद्यमान ब्याज दर पर दिशा जायेगा।

- 7. लेखीं का रखन..—श्रायुक्त. इन नियमों से संलग्न प्ररूपों में, प्रत्येक श्रीमदाता थे खाते में नत्समय जमा राणि को दणनि हुए, निधि में नत्स्वत्यत्वत दिवन लेखे रखवायेगा । प्रत्येक श्रीमदाना को, श्रारम्भिक श्रीतशेष दर्ष थे भीनर जमा राणियां, वर्ष थे भीनर निकाली गई राणियां और श्रीमदाना के खाते में श्रन्त श्रीतशेष दणित हुए वाषिक दी जायेगी ।
- ७. राशि कव देय होगी.-इन नियमों के उपबन्धों के स्रधीन रहते हुए, स्रमिदाता के खाते में जमा राशि स्रमिदाता की मैवा निवृति स्रष्टका मृत्य ध्रयवा उस हारा निगम की मैवा छोड़ने पर देय होगी ।
 - निवृति एवं रहीं की प्रवस्था में निधि में राणि का निकाला

जाना.—निवृति पूर्व मंजूरकी गई छुट्टी की दशा में अभिदाता को आयुक्त या किसी अन्य अधिकारी के जिसको शक्तियों का प्रत्यायोजन किया जाए विवेकानुसार अभिदाता के खाते में जमा रकम के 90 प्रतिशत तक निधि म उसके अपने अंश के रूम में निकालने की अनुज्ञा परन्तु यदि अभिदाता सेवा निवृति से पूर्व सक्षम प्राधिकारी के आदेश के अधीन उयूटी पर वापिस आजाता है तो वह ऐसी छुट्टी के दौरान अभिदाता या बोनस के दावे या अतिशेष पर ब्याज से सम्बन्धित विनियमों प्रकिसी प्रतिकृत बात के होते हुए भी विस्तार सेवा की शर्त के रूप में, इस प्रकार निकाली गई पूरी रकम का एक मुश्त प्रतिदाय करेगा।

10. नाम निर्देशन.—(1) अभिदाता अपने द्वारा हस्ताक्षरित और सम्बन्धित विभाग के अध्यक्ष द्वारा अनुप्रमाणित एक घोषणा उस व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम का कथन करते हुए कर सकेगा, जिसे/जिनको वह चाहता है/चाहती है कि उसकी मृत्यु की दशा म निक्षेप की पूर्ण जमा राशि या उसके किसी भाग का सदाय किया जायेगा:

परन्तु यदि नामनिर्देशन करने के समय अभिदाता का कोई कुटुम्ब हो तो ऐसी स्थिति में नामनिर्देशन उसके अपने कुटुम्ब के सदस्यों के अतिरिक्त किस अन्य सदस्य के नाम नहीं किया जा सकेगा।

- (2) यदि कोई अभिदाता खण्ड (1) के अधीन एक से अधिक व्यक्तियों के नाम निर्देशित करता है तो वह प्रत्येक नाम निर्देशिती व्यक्ति को देय राशि के भाग को नामनिर्देशिन में ऐसी रीति से विनिर्दिष्ट करेगा जिससे निधि में किसी भी समय उसके खाते में सारी जमा राशि पूरी हो जाए।
- (3) ग्रभिदाता किसी भी समय ग्रायुक्त को लिखित नोटिस भेज कर नामनिर्देशन रह कर सकता है; परन्तु यह कि वह ऐसे नोटिस के साथ खण्ड (1) तथा (4) के उपबन्धों के ग्रनुसार नया नामनिर्देशन भेजेगा।
 - (4) अभिदाता नामनिर्देशन में निम्नलिखित उपबन्ध कर सकेगा:---
 - (क) किसी विनिर्दिष्ट नाम निर्देशन के सम्बन्ध में अ कि कि कि पूर्व मृत्यु हो जाने की स्थिति में नाम निर्देशिक को प्रदत्त अधिकार, ऐसे अन्य व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के नाम सकांत हो जायेंगे जैसा कि नाम निर्देशक पत्र में विनिर्दिष्ट किया जाए; परन्तु ऐसे अन्य व्यक्ति यदि अभिदाता के कुटुम्ब के अन्य सदस्य हैं तो वे ऐसे अन्य सदस्य या सदस्यों का स्थान लेंगे।
 - (ख) कि नामनिर्देशन उसमें विनिदिष्ट म्रिनिश्चित घटना क होने पर म्रवैध हो जायेगा, परन्तु यह कि यदि नाम-निर्देशन करते समय म्रिभिदाता का कुटुम्ब नहीं है, वह नामनिर्देशन में उपवन्ध करता/करती है कि यह उसके पण्चातवर्ती कुटुम्ब म्राजित करने पर म्रवैध हो जायेगा ।
- (5) श्रमिदाता, निर्देशिती की मृत्यु पर जिसके सम्बन्ध में उप-नियम (4) के खण्ड (क) या उप-नियम (4) के खण्ड (ख) की घटना पर उनके उपअन्धों के ग्रधीन नामनिर्देशन में कोई विशेष उपबन्ध नहीं किया है, तुरन्त नामनिर्देशन को रद्द करते हुए, नियम उपबन्धों के श्रनुसार नवीन नामनिर्देशन सहित ग्रायुक्त को लिखित नोटिस भेजेगा।
- (6) ग्रमिदाता द्वारा किया गया प्रत्येक नामनिर्देशन जहां तक यह वैद्य हो, उस तारीव से प्रभावी होगा जिसको यह भ्रायुक्त/सहायक ग्रायुक्त/विभागाध्यक्ष द्वारा प्राप्त किया जाए।
- (7) यदि ऐसा कोई नाम निर्देशन ग्रस्तित्व में नहीं है या एसा (नामनिर्देशन केवल ग्रमिदाता के खाते में जमा राशि के एक भाग से सम्बन्धित है, तो ग्रमिदाता के कुटुम्ब के सदस्य के ग्रतिरिक्त किसी ग्रन्य व्यक्ति के सम्बन्ध में तात्पर्यत किसी नामनिर्देशन के होते हुए भी सारी राशि या वह भाग जो नामनिर्देशन के ग्रन्तर्गत नहीं है, एक ग्राधे के रूप में यथास्थिति विश्वर या विश्वा (या विध्वाग्रों को बराबर भाग में) ग्रीर दूसरा ग्राधा भाग बराबर भागों में ग्रभिदाता के बच्चों को देय होगा:
- परन्तु यदि (ग्रमिदाता के) एक या ग्रधिक पुत्नों की मृत्यु हो गई हो जो ग्रपने पिछे ग्रपनी विधवाग्रों या पुत्नों या दोनों को छोड़ ग

हों तो उस मृतक पुत्र का भाग उसके पुत्रों या विद्यवा या दोनों को बरावर भागों में देय होगा :

परन्तु अह ग्रीर कि यदि ग्रीमदाता यथास्थिति केवल विधुर या विधवा या विधवाग्रों को छोड़ गया हो तो राणि ऐसे विधुर या विधवा या उन विधवाग्रों को बराबर भागों में देय होगी या यदि ग्रीभदाता केवल विच्च छोड़ गया हो तो सारी राणि उपरोक्त नियम के उपवन्ध के अनुस्थर बराबर भागों म उन बच्चों को देय होगी ग्रीर यथास्थिति विधवा या विधवाग्रों के न होने पर यदि राणि परिवार के ग्रन्थ सदस्यों को बराबर भागों में देय होगी:

, परन्तु क्र्णैर यह कि कोई भी हिस्सा निम्नलिखित को देय नहीं होगा:---

(1) विवाहित पुलियों, जिनके पति जीवित हैं;

(2) मृत पुत्र की विवाहित पुवियां जिन क पनि जीवित हैं।

- 11. निधि से अग्रिम धन.—(1) त्रायुक्त या कोई ग्रन्य अधिकारी जिसे इसके सम्बन्ध में शिक्तयों का प्रत्यायोजन किया जाए, अभिदाना को निधि में से निम्नलिखित णतौं पर अस्वायी अग्रिम दर अप्रत्यवर्णीय अग्रिम की अनुसति दे सकेगा:—
 - (क) कोई भी प्रप्रिम स्वीकृत नहीं किया जायेगा, जब तक कि, स्वीकृति प्राधिकारी का ममाधान नहीं हो जाता कि प्रावेदक की ग्राधिक परिस्थितियों के ग्रनुसार यह उचित है ग्रीर निम्नलिखित उद्देश्यों से ग्रन्थथा पर खर्च नहीं किया जायेगा;
 - (ख) मकान का कय मूल्य चुकाने, या मकान का निर्माण करने या मकान निर्माण के लिए भूमि खरीदने के लिए 48 मास के वेतन के बराबर अग्निम राणि स्वीकृत की जा सकेगी परन्तु ऐसे मामले में वसूली 144 समान मासिक किस्तों में की जायेगी जैसा कि नियम 13(1) के अधीन अपेक्षित है।
- (i) मिभदाता या उसके कुटुम्ब के किसी ग्रन्य सदस्य के पास ग्रपना में क्वीनवासी मकान नहीं हो उसके कम से कम पांच वर्ष तक निधि में मिदान किया है।
- (ii) अग्रिम धन किसी भी स्थिति में ग्रिभिदाता के खाते में जमा अभिदान तथा उस पर ब्याज से अधिक नहीं होगा।
- (iii) ग्रग्निम धन 48 मास के वेतन के बराबर से ग्रधिक किस्तों में भी ग्राहत्त किया जा सकेगा।
- (2) मोटर कार/मोटर साइकिल/स्कूटर के क्रय के लिए अग्रिम वन निम्नलिखित शर्तों पर स्वीकृत किया जा सकेगा:---
 - (i) ग्रभिदाता ने कम हे कम पांच वर्ष तक ग्रभिदान किया हो ।
 - (ii) मोटर साईकल/स्कूटर की खरीइ के लिए अग्निम धन केवल एसे अभिदाता को देव होगा जिसका मासिक मूल वेतन कम से कम 500 रुपये हो और यह 15 मास के वेतन या वाहन के वास्तविक मूल्य, जो भी कम हो तक सीमित होगा ।

(iii) मोटर कार के ऋय के लिए अग्रिम राशि ऐसे अभिदाता को देय होगी. जिसका मूल वेतन कम से कम 1500/-रुपये और 25,000 रुपये या कार के मूल्य जो भी कम हो, तक सीमित होगी:

परन्तु इन मामलों में अग्रिमधन किसी भी स्थिति में 48 मास के वेतन या निधि में जमाराधि के 3/4 भाग, जो भी कम हो, से श्रनधिक होगा:

परन्तु और यह कि स्कूटर/मोटर साइकल के कय के लिए दितीय अग्रिम तब तक स्वीकृत नहीं किया जायगा जब तक कि प्रथम अग्रिम को स्वीकृति हुए कम से कम पांच वर्ष न बीत गय हों तथा प्रथम अग्रिम घन पूर्ण रूप में वसूल न किया जा चुका हो ।

(3) म्रप्रिम धन निम्नलिखित के लिए भी दिया जा सकेगा:--

(i) ग्रमिदाता के या उस पर वास्तविक रूप से ग्राधित कुटुम्ब के किसी अन्य सदस्य की लम्बी बिमारी सम्बन्धी व्यय को चुकाने के लिए; (ii) आवेदक या उमपर वास्तविक रूप से आशित किमी व्यक्ति के स्वास्थ्य या शिक्षा के कारण वैदेणिक मार्ग व्यय को चुकाने के लिए अभिदाता को साधारण शर्तों पर प्रपत्ती या उस पर वास्तविक रूप से आशित कुट्टूब के मदस्य को भारत वर्ष से वाहर शिक्षा पर व्यय को पूरा करने के लिए भी चाहे वह शैक्षणिक, तकनीकी, व्यवमाधिक या जीविका सम्बन्धी पाठ्यकम अथवा भारत वर्ष में हाई स्कूल स्तर के औषध, यान्त्रिकी और अन्य तकनीकी या विशिष्ट पाठ्यकम हो, निधि ये अग्रिम धन दिया जा मकेगा:

परन्तु पाट्यकम की ग्रध्मयन ग्रवधि तोत वर्ष मे कम नहीं होनी |वाहिये |

(iii) ब्रावेदक की पदस्थित के उचित माग्नान के अनुमार उन व्ययों को चुकाने के लिए जो कहिंगत रीति से उस द्वारा अपने निकट या वास्तिविक रूप से उम पर अधित व्यक्तियों को विवाद, अन्त्येर्टी या अन्य धर्मानुष्ठानों पर किए जाने अपिक्षित है या उस द्वारा अपने पक्षीय कर्तव्य के निवर्दन में किए गए या किये जाने के लिएनात्पर्य किसी कृत्य के मध्वन्त्र में उसके विकट लगाये गये आरोप के सम्बन्ध म अपनी स्थिति को निर्दोष सिद्ध करने के लिए विधिक कार्यवाहियों के व्यय को पूरा करने के लिए

परन्तु अग्रिम धन उसः पदीय कर्तव्यां से सम्बन्धित किसी मामलों के सम्बन्ध में अनुज्ञेय नहीं होगाः परन्तु और यह भी कि वास्तविक रूप से आश्रित की गर्त अभिदाता के पुत्र या पुत्रों के मामले में लागू नहीं होगी।

(क) उपखण्ड (1) में (3) के अधीन अनुजेय अग्रिम धन राशि किसी भी स्थिति में निधि में अभिदाता के खाते म जमा अभिदान की राशि तथा उम पर ब्याज के 3/4 माग अथवा उमक छ: माम के वेतन की राशि, जो भी कम हो से अश्विक नहीं होगा तथा छ: मास के वेतन तक सीमित होगा।

(ख) स्वीकृति प्राधिकार द्वारा, अभिलिखिन किए जाने वाने विशेष कारणों के अतिरिक्त, ब्याज सहित पूर्वतन अग्निमों के अिलम संदाय के पश्चात् 12 महीने तक कोई अग्निम स्वीकृत नहीं किया वायगा, जब तक कि पहने दिए गए अग्निम की राशि, उप-खण्ड (क) के अभीन अनुजय राशि के दो तिहाई से अधिक न हो।

- 12. अप्रत्यपर्णीय अग्रिम.—(1)(क) अभिदाता द्वारा 20 वर्ष् की सेवा अवधि (खंडित सेवा काल सहित, यदि कोई हो) पूर्ण करने के उपरांत या अधिकर्षिता की आयु पर उसकी सेवा निवृति की तारीख से पूर्व 12 वर्षों के भीनर, जो भी पहले हो, अभिदाता को पुत्र/पुत्री के विवाह सम्बन्धी व्ययों की पूर्ति के लिए उसके बारह मास के वेतन या उसके खाते में जमा राशि क 1/2 भाग, जो भी कम हो, के वराबर अग्रिम धन स्वीकृत किया जायेगा।
- (ख) इस उप-नियम के ग्राधीन ग्राप्तत्यपर्णीय ग्राप्तिम घन स्वीकृत करते समय ग्रामिदाता के नाम पूर्वग्रस्थाई ग्राप्तिम घन. यदि कोई हो, हिसाव में नहीं लिया जायेगा।
- (2) 12 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर (खाण्डन अविध सहित, यि कोई हो) या सेवा निवृति की तारीख से 12 वर्ष क भीतर, जो भी पहले हो. अभिदाता की उसके 48 महीने के वेतन के बराबर अधिम धन या कर्मचारी के अपने अभिदान ने अतिरिक्त उस पर ब्याज सहित निगम के अंशदान का 50 प्रतिशत जो भी कम हो, निर्माण या जगह के मूल्य सहित निवास के लिए उपयुंक्त मकान अर्जित करने या खरीदे गए स्थान पर भवन निर्माण करने के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए स्वीकृत किया जा सकेगा कि राशि उस प्रयोजन के लिए खर्च की जायेगी जिसके लिए यह स्वीकृत की गई (48 मास के वेतन के बरावर अग्रिम धन एक से अधिक किस्तों में निकाला जा सकेगा)।
- (3) अभिदाता को जिसका मूल वेतन 500 रुपये प्रतिमास से कम न हो और वह दस वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण कर चुका हो, को मोटर साइकल/स्कूटर के क्रय के लिए अप्रत्यपणीय अप्रिम स्वीकार किया जा सकता है। अप्रिम की सीमा रुपये 4,500 या अभिदाता का 15 मास का वेतन या ब्याज सहित अभिदाता के खाते में अवशेष

में की जःयेगी।

की जास अगी।

खण्डित भाग के लिए संदाय करता है।

के लेखे में जमा की जायेंगी।

के 1/2 भाग या मोटर साईकल/स्कूटर के वास्तविक मृत्य से जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगी:

पांच वर्ष की सेवा वाले कर्मचारियों को साइकल के ऋग के लिए 300 रुपये से ग्रनधिक या ग्रिभिदाता के खाते में जमा ग्रवशेष 1/2 भाग जो भी कम हो, ग्रप्रत्यपर्णीय ग्रप्रिम स्वीकृत किया सकता है।

स्कटर/मोटर साइकल को खरीदने के लिए द्सरा ग्रग्रिम तब तक स्वीकृत नहीं किया जायेगा जब तक पहने अधिम को स्वीकृत किये पांच वर्ष न बीत जाए ग्रीर पहने ग्रियम की पूरी वपूनी न हो जाए।

टिप्पणी:--कोई अभिदा ा जो सामान्य नियमों के अधीन प्रत्यपर्णीय ग्रियम निकालता है, ग्राने विवेकाधिकार स्वीकृत ग्रधिकारी के माध्यम से सवित्र के नाम निखित प्रार्थना-पत्न द्वारा उसके नाम बाकी अवशेष को इस नियम में ग्रधिकथित जतों के पूरा करने पर ग्रन्तिम आहरग म परिवर्तित कर सकेगा।

13. अगिम की वसूली --(1) अशिम को वसूली स्वीकृति प्रदान करते अंते प्रिविकारी होरा निर्वारित वरावर मासिक किस्तों में ब्रिभिदातः : वेतन से की ज देवी परन्तु देनी किस्तो का संख्या 12 से कम ाही होगी जब तक कि अभिवाता न चाहे और किसी भी स्थिति में किस्तें 24 से अधिक नहीं होंगी । अभिदाता अपने विकल्प पर निर्धारित किस्तों से कम किस्तों में संदाय कर संवगः। प्रत्येक किस्त लो कारों में होगी, ऐसी किस्तों के निर्वारण के लिए यदि मावश्यक हो ना मित्रम की राशि घटाई बढ़ाई जा सकती है । फिर

भी स्कूटर/मोटर साइकल क लिए 12 मास के वेतन के बरावर

म्रिप्रम की स्थिति में बमूली 48 किस्तों में की जायेगी ग्रौर 48 मास के वेतन 🤝 ब्राइर ग्राप्रिम की स्थिति में वसूली, 144 बराबर किस्तों

(2) जन अभिदाता अवकाश पर हो अथवा उसे केवल जोवन निर्वाह के किए ही धन मिल रहा हो तो प्रभिदाता की सहमति के विना वसूती नहीं की जायेगी और अभिदाता की स्वीकृत किये गये म्रायिम वेता की वनूनी के दौरान स्त्रीकृति मधिकारी द्वारा स्थागन

(3) यदि अभिदाता को एक से अधिक अधिम प्रदान किये गये हों तो वसूली के लिए प्रत्येक अधिम अलग रूप में माना जायेगा।

(4) (क) अग्रिम के मूलधन के पूर्ण रूप से संदत्त किये जाते क पश्चान ब्याज का उसी दर से संदाय किया जायेगा जिस पर कि निगम निधि में इसी प्रकार की सभी जमा राशियों पर प्रत्येक मास या मुलबन के ग्राहरण ग्रीर पूर्ण संदाय की ग्रवधि के भीतर महीने के

(ख) ब्याज साधारणनया मूलवन के पूर्ण संदाय के ऋगते मास में एक ही किस्त में वमूल किया जायेगा परन्तू यदि खण्ड (क) में निर्दिष्ट ग्रवधि 20 मास से ग्रधिक हो तो ब्याज, यदि ग्रभिदाता ऐसा

चाहे दो समान मासिक किस्तों में वसूल किया जा सकेगा। (5) इन विनियमों के अधीन की गई वसूलियां निश्चि में अभिदाता

(6) निधि से धन ग्राहरण करने के लिए ग्रनुज्ञात कोई ग्रिभदाता, तीन मास की अबधि के भीतर सचिव का समाधान करायेगा कि धन

का उपयोग उसी प्रयोजन के लिए किया गया है जिसके लिए इसका ग्राहरण किया गया था ग्रौर यदि वह ऐसा करने में ग्रतकल रहता है तो इस प्रकार ग्राहरण की गई सारी राशि या उसका इतना भाग

जिसका उस प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया गया हो जिस रे लिए उसका ग्राहरण किया गया था एक मुख्त उस पर व्याज सहित निधि

में संदत्त की जायेगी और ऐसे संदाय की अवहेलना करने पर, 5 स्वीकृति अधिकारी द्वारा इसे उसकी परिलब्धियों में से एक मण्त या उतनी मासिक किस्तों में जितनी कि सचिव द्वारा निर्धारित की जाये

वसूत करूने का ग्रादेश दिया जायेगा।

14. निधि में से बीना किस्त का संदाय, -- बीना का पालिसी की किस्त का संदाय अभिदाता के विकल्प पर, उपवन्ध (क) में विणित शर्तों के अजीन रहते हुए, निधि अभिदान में से किया जो सकेगा।

15. ब्राहरण के लिए सामान्य नियम .-- (1) बचत बक/ डाकवर लेखें/राष्ट्रीयकृत बैंक में रखे गये भविष्य तिधि लेखों में से किसी भी राणि का निम्नलिखित के स्रंतिरिक्त स्राहरण नहीं किया जाये**गा**:---

(क) सरकारी प्रतिभृतियों के कार्य में निचेश; सावधि जमा, राष्ट्रीयकृत बैंको या डाकवर में पावती; राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र या सरकार द्वारा अनुमोदित किसी भी प्रकार की प्रतिभूतियों के लिए,

(ख) अभिदाता को अग्रिम देते के लिए,

जिए अभिदाता का खाता बन्द किया जाना है।

(ग) जब ग्रभिदाता या उसके वैध उत्तराधिकारी को संदाय के

(2) "बचत बैंक" से डाकबर बचत बैंक लेखे या बैंक बचत लेखे या कोई राष्ट्रीयकृत वैंक अभिन्नेत है।

16. लेखे के प्रस्तिम रूप से बन्द किये जाने पर रोबें! जाने वाली राश्चि.—इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी जैसा कि हिमाचन प्रदेश म्युनिसिपल लेखा संहिता के नियम 226 के प्रधीन उपेक्षित

हैं। ग्रिभिदाता के खाते की बन्द करने पर उस द्वारा निगम को देय कोई राशि ग्रभिदाता को उसके भविष्य निधि लेखा म जमा राशि की ग्रदायगी करने से पूर्व, निगम द्वारा काट ली जायेगी। परन्तु यह कृत राशि किसी भी अवस्था में अभिदाता के खाते में जमा राशि तथा उस पर प्रोदभूत ब्याज से ग्रधिक नहीं होगी। किसी भी स्थिति में

निगम का भाग उस समय तक नहीं दिया जायेगा जब तक कि ग्रभिदाता निगम द्वारा ग्राबंटित ग्रावास खाली नहीं करता। 17. निरसन और व्यावृति --- नगर निगम लेखा संहिता, 1975 के अध्याय 14 में अन्तर्विष्ट नियमों का, जो शिमला नगर निगम के

कर्मचारियों पर लागू हैं, एतद्द्वारा निरसन किया जा । है :

। रन्तु यह कि इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई कार्य अथवा कार्यवाही इन विनियमों के के अधीन की गई समझी जायेगी।

प्ररूप पी 0 एफ 0 1

भविष्य निधि खाता

...ग्रमिदाता का नाम स्थापना जांच रिजस्टर की पन्ना संख्या वपं जमा राशि ग्रंशदान योग ग्राहरण वास्तविक **ग्राहरण का मासिक** आहरणों का

अभ्यिक्तयां मासिक हस्त शेष जिस पर ब्याज मासिक शेष जिस शेष संगणित नहीं पर ब्याज संगणित किया गया है किया 2 3 5 6

ग्रथ ग्रेप ग्रप्रैल मई

न्न

					
	1 2	3	4	5 6 7 8	9
	जुलाई			• • •	
æ	, ग्रगस्त , सितम्बर				
	सतम्बर स्रवत्वर				
- آر	- नवम्बर - नवम्बर			•	
	दिसम्बर			• •	
	जनवरी			•	
	फरवरी मार्च				
	भाष व्रर्थके दौरान		•		
	कुल व्याज				
	31 मार्चको			···	•
	कुल भेष				
				रूप पी0एफ0 2	
			<u></u> . व	पं19 के लिए भविष्य निधि दायित्व लेखा	
	जमा करने की तिथि			जमा कर्ना की खाता संख्या	
	वेतन से कटौती			नाम तथा पद	
	नगरपालिका का श्रंगदान			्रे ग्रयशेष जम। करन की तिथि	
			नवम्बर	श्रेल	
	योग			no colorogued dans	
	जमा करने की तारीख			वेतन से कटौती	
	वेतन से कटौती			नगरपालिका का ग्रंशदान	
	नगरपालिका का श्रंशदान	_		योग:	
		दिसग	म्बर ————————		
_	योगः जमा करने की तारीख				
	वेतन से कटौती			जमा करने की नारीख वेतन से कटौती	
				• • • • • • • • • • • मर्ड	
M	नगरपालिका का ग्रंशदान			नगरपालिका का ग्रंभदान	
	•	जनव	ारी		
	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •				
	योग :			योग :	
	योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती			योग : जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख			जमा करने की तारीख वेतन से कटौती जून	
	जमा करने की तारीख			जमा करने की तारीख	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती		-0.	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती जून	
-	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंगदान		-0.	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती जून	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान योग: जमा करने की तारीख		-0.	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती जून नगर पालिका का श्रंशदान योग:	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान • योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती		-0.	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती जून नगर पालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वितन से कटौती	
****	जमा करने की तारीख नेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान योग: जमा करने की तारीख नेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वितन से कटौती	
	जमा करने की तारीख नेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान गेंग: जमा करने की तारीख नेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वितन से कटौती	
	जमा करने की तारीख नेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान योग: योग: वर्ष में ग्रंजित व्याज ग्रंगले वर्ष के लेखे में	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वितन से कटौती	
	जमा करने की तारीख नेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का ग्रंशदान योग: योग: वर्ष में ग्रंजित व्याज ग्रंगले वर्ष के लेखे में	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वितन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	
	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: जमा करने की तारीख वेतन से कटौती नगरपालिका का श्रंशदान योग: योग: वर्ष में श्रजित व्याज श्रंगते वर्ष के लेखे में श्रंगतीत कुल राक्ष	फरव	ारी	जमा करने की तारीख वेतन से कटौती	

प्ररूप0 पी0 एफ0−3 ग्रभिदाता का वार्षिक लेखा

		शिमला नग	र निगम भविष्य निधि	•				-
मधिताना का	नाम							
		व्यौरा		राशि .				
31 मार्च, 19		को		ক	पये		• • • • • • •	• • •
केले में जमा शेष								
प्राप्त ग्रभिदान त	था अंशदान		रुपये		गर स्टब्स्ट्र	द्भूत ब्याज	श्पय	
				. क ढ्याज	का कटाता			ζ
	पये इकाया राशि ••••		ੀਜੀ					-
	वकाया साथ ••••							
	को लेखें में							
			प्रतिवेदन देना चाहे	को अस नीः	विकास के ब	पित्रक को जी	चेटी गईत	ारीख
याद ग्राभदाता ल सेएक माहके भीतर	खिक उपनति होने के लिखित रूप में देगा।	सम्बन्ध म काइ	त्रात्तपदन पना पारु	ता पर इस	ागाम क	स्वयं करा पा	4 41 14 "	
तारीख								
ले खा कार के हस्त	ाक्षर					' आय्वत	नगर निगम,	
cladian c as 6/4	1417						रामला शहर	1
			रूप पी0 एफ0-4					
			निधि बिल, शिमला नग	र तिग्रम				
संख्या		, वष	i <i>.</i>		माह			
विस्तृत लेखा शीर्ष	वेतन या स्थापन संख्या तथां		र्गिदान की राशि	` श्रंष	ादान की रा	शि	योग	
	योग :							1
तारीख परीक्षित तथा दर्ज	रुपये संदत करें। किया गया।				वि	भागाध्यक्ष	के हस्ताक्षर	7
परीक्षित तथा दर्ज	रुपये संदत करें। किया गया।	खाका <i>र</i>			वि	भागाध्यक्ष	के हस्ताक्षर [े]	7
	रुपये संदत करें। किया गया।	बाकार				,		
 परीक्षित तथा दर्ज	रुपये संदत करें। किया गया।	बाका <i>र</i>			संदाय के ि	,	देने वाले प्रा	
परीक्षित तथा दर्ज	रुपये संदत करें। किया गया।	-	rito meos		संदाय के ि	लिए आरदेश	देने वाले प्रा	
 परीक्षित तथा दर्ज	रुपये संदत करें। किया गया।	- प्ररूप	पी ० एफ0~5		संदाय के ि	लिए आरदेश	देने वाले प्रा	
 परीक्षित तथा दर्ज	रुपये संदत करें। किया गया।	_ प्ररूप भविष्य	निधि लेखा		संदाय के ि	लिए आरदेश	देने वाले प्रा	
परीक्षित तथा दर्ज नारीख	रुपये संदत करें। किया गया।	_ प्ररूप भविष्य	•		संदाय के ि	लिए आरदेश	देने वाले प्रा	
परीक्षित तथा दर्ज	रुपये संदत करें। किया गया। ले	प्ररूप भविष्य नगर वि	निधि लेखा		संदाय के f प्र	लिए झादेश घिकारी के	देने वाले प्रा	
परीक्षित तथा दर्ज नारीख	रुपये संदत करें। किया गया। ले	प्ररूप भविष्य नगर वि बचत बै ताजमा	िनिधि लेखा नगम, शिमला क से श्राहरण	राणि	संदाय के कि प्र प्रत्येक संव्य	लिए झादेश घिकारी के :	देने वाले प्रा	
परीक्षित तथा दर्ज नारीख	रुपये संदत करें। किया गया। ले	प्ररूप भविष्य नगर वि बचत बै ताजमा गया नगर निग	ि निधि लेखा नगम, शिमला क से श्राहरण	राशि	संदाय के f प्र	लिए झादेश घिकारी के :	देने वाले प्रा	
परीक्षित तथा दर्ज नारीख	रुपये संदत करें। किया गया। लेख लेख लेख लेख संचत बैंक द्वार राशि किया	प्ररूप भविष्य नगर वि बचत बै राजमा गया नगर निग ज करवाने निकाली	निधि लेखा गम, शिमला क से श्राहरण म निधि से जमा के उद्देश्य से गई श्राहरित	राण्णि	संदाय के रि प्र प्रत्येक संव्य	लिए झादेश घिकारी के :	देने वाले प्रा	
परीक्षित तथा दर्ज नारीख	रुपये संदत करें । किया गया । ले ले जिल बैंक द्वार राशि किया स्या	प्ररूप भविष्य नगर वि बचत बै राजमा गया नगर निग ज करवाने निकाली राशि	निधि लेखा नगम, शिमला क से श्राहरण म निधि से जमा के उद्देश्य से गई श्राहरित चालान संख्या	राशि	संदाय के रि प्र प्रत्येक संव्य	लिए झादेश घिकारी के :	देने वाले प्रा	
परीक्षित तथा दर्ज नारीख	रुपये संदत करें। किया गया। लेख लेख लेख लेख संचत बैंक द्वार राशि किया	प्ररूप भविष्य नगर वि बचत बै राजमा गया नगर निग ज करवाने निकाली	निधि लेखा गम, शिमला क से श्राहरण म निधि से जमा के उद्देश्य से गई श्राहरित	राण्णि	संदाय के रि प्र प्रत्येक संव्य	लिए झादेश घिकारी के :	देने वाले प्रा	ি
परीक्षित तथा दर्ज नारीख	रुपये संदत करें । किया गया । ले ले जिल बैंक द्वार राशि किया स्या	प्ररूप भविष्य नगर वि बचत बै राजमा गया नगर निग ज करवाने निकाली राशि	निधि लेखा नगम, शिमला क से श्राहरण म निधि से जमा के उद्देश्य से गई श्राहरित चालान संख्या	राणि	संदाय के रि प्र प्रत्येक संव्य	लिए झादेश घिकारी के :	देने वाले प्रा	ি
परीक्षित तथा दर्ज नारीख	रुपये संदत करें । किया गया । ले ले जिल बैंक द्वार राशि किया स्या	प्ररूप भविष्य नगर वि बचत वै राजमा गया नगर निग ज करवाने निकाली राशि विल संख्या	निधि लेखा नगम, शिमला क से श्राहरण म निधि से जमा के उद्देश्य से गई श्राहरित चालान संख्या	राशि	संदाय के रि प्र प्रत्येक संव्य	लिए झादेश घिकारी के :	देने वाले प्रा	ি
परीक्षित तथा दर्ज तारीख	रुपये संदत करें । किया गया । ले ले जिल बैंक द्वार राशि किया स्या	प्ररूप भविष्य नगर वि बचत वै राजमा गया नगर निग ज करवाने निकाली राशि विल संख्या	ा निधि लेखा नगम, शिमला क से श्राहरण म निधि से जमा के उद्देश्य से गई श्राहरित चालान संख्या	श्रुभिदाता य	संदाय के जि भ्र प्रत्येक संव्य पश्चीत्	लिए झादेश घिकारी के : वहार के शेष	देने वाले प्रा	धि कृ त

स्थान •••••••••

दिनांक

प्ररूप पी0 एफ0-6 भविष्य निधि निवेश खाता, नगर निगम,जिमला

	निवे	श का ऋय	f	विंगकात्रिकय		
₹	. लागंत 1	/ब्याज		गप्त निवल मून्य 2	ऋ⊺ग्रम का निषटा 3	न
निवेश सा के भविष् नगर	ख संख्या १ का विवरण तिक मूल्य व्य निधि में देय	वास्तविक मूल्य	कुल लागन दर राशि खजाना में प्रेक्षण राशि विकथ के कारण दत	ाकी चालान मंख्या न गाली नथा प्रभार	प्राप्त कुल मूल्य वजन वैक में भविष्य निधि की बिल संख्या परिसंदत राणि गर निगम निधि को नाम या जमा	
				एफ0—8 नवेश व्याज खाता		
	निवेश पर	डाकघर में जमा धन पर प्राप्त ब्याज की राशि	योग	स्रवमूल्यन निधि में जमा करने योग्य राणि	त्रना में म्रभिदाताम्रो में वितरित की जाने	ग्रस्युक्तिया <u>ं</u>
	1	2 .	3	4	वाली शेष राशि .5	6
<u> </u>				0एफ0—10 व्यक्ति	नियम	·
				थ्यानाध लिए घोषणा प्ररूप)	जमाकर्ता को खाता संख्या-	
में उनके		घोषणा करता हूं कि दर्शाई गई रीति से वित समय श्रवयस्क ना मिश्वे			ं मेरी मृत्युकी ग्रवस्थामें निम्ना व्यक्तिकोदीजाए।	लिखित व्यक्ति
				जमा राशि का भाग उस नाम	व्यक्ति का स्तम्भ 5 म उति तथा पता खित व्यक्ति व तथा पता खित व्यक्ति व	ग
सुरोक्षत नाम			1////		नंदाय किया पिताकान	
सुरक्षित नाम	1	2	. 3		बंदाय किया पिताकान जाएगा 5 6	
भुरक्षित नाम	1	2		₹	जाएगा	ाम
नाम	1		3	₹	जाएगा 5 6	ाम
नाम	1	য়বি	3 ग्वाहित, विवाहित उ	4	নাएगা 5 6	ाम

टिप्पणी:-नियम 2 (घ) में परिभाषित कुटुम्ब वाले अभिदाता को इस घोषणा-पत्न में निधि में उसके नाम जमा राशि या इसके किसी भाग को अपने कुटुम्ब से अन्यथा बाहर के किसी अन्य व्यक्ति को प्रदान की अनुमति नहीं होगी।

पता

पता

उपबन्ध ''क'' (विनियम 14 में निदिष्ट)

वीमा पालिसी के सम्बन्ध में संदाय अभिदाता के विकत्प पर निम्नलिखित भर्तों के अधीन रहते हुए, भविष्य निधि के अभिदान के लिए प्रतिस्थापित किया जा सकेगा या उसमें मे कटौती की जा सकेगी:—

- (i) प्रिमियम के संदाय के लिए, भविष्य निधि में अभिदाता के खाते में केवल ब्याज सिंहत जमा अभिदान राशि का आहरण किया जा सकेगा;
- (ii) यदि किसी ग्रिभिदान अथवा प्रतिस्थापित सदाय की कुल राशि विनियम 4 के अधीन निधि के लिए देय अभिदान की राशि से कम हो तो ग्रिभिदाता द्वारा यह बकाया राशि निधि में अभिदान के रूप में सदत की जायेगी:
- (iii) भिवष्य निधि से अर्थ घोषित की जाने वाली पालिसी विशुद्ध सार्वाध पालिसी से अन्यथा ऐसी पालिसी होगी जो अभिदाता हारा अपने जीवन बीमा के सम्बन्ध में की गई हो जिसमें जीवन जोखिम की कोई बात न हो। यह पालिसी ऐसी होगी जो कि कान्ती तौर में निगम के आयुक्त को समनुदेश्नीय हो।
 - टिप्पगा.--(1) मैडिकल बोर्ड की सिफारिश से सेवा निवृत किये जाने वाले पालिसी धारक से सम्बन्धित गार टी पालिसी, जिसके आधार पर वह वीमा की राशि को प्राप्त करने का पाल होता है, इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए स्वीकृतहोगी तथा आकस्मिक वार्षकी. जिससे कि उसकी मृत्यु की स्थिति में वीमा कर्ता की पत्नी अथवा वच्चों अथवा दोनों को ही कुछ आय सृनिश्चित करती हो, को भी इन विनियमों के प्रयोजन के लिए स्वीकृत किया जायेगा।
 - (2) यदि किसी अभिदाता द्वारा अपने जीवन वीसे के मम्बन्ध में किसी एक मान्न लाभ भोगी के लाभ के लिए बीमा पालिसी करवाई जाती है, जिसका नाम बिशेष रूप से उसमें दिया गया है तो दोनों ही बीमाकृत तथा लाभ भोगी द्वारा इसका औपचारिक समनुदेशन अनुअय होगा। यदि किसी अभिदाता द्वारा अपने जीवन बीमा के सम्बन्ध में एक से अधिक लाभ भोगियों जो कि पालिसी की तारीख को विद्यमान हो अथवा नहीं, के लाभ के लिए बीमा पालिसी करवाई जाती है तो उस पालिसी का समनुदेशन तत्सम्बन्ध वैधिक कठिनाइयों के कारण इन विनियमों के अधीन अनुअय नहीं होगा।
 - (iv) पालिसी ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों से अन्यथा के लाभ के लिए नहीं की जायेगी, जो कि उस भविष्य निधि की राशि को प्राप्त करने के हकदार हैं जिससे कि पालिसी अर्थघोषित की जायेगी।
 - (v) निगम का घ्रायुक्त ग्रभिदाता की घ्रोर से बीमा कम्प नी को किसी प्रकार का सदाय नहीं करेगा न ही बहुपालिसी को जारी रखने के लिए पग उठायेगा । यदि ग्रभिदाता प्रत्येक माह वेतन विल बनाने के समय यह प्रमाणित करता है कि उसके द्वारा वीमा कम्पनी को देय मासिक प्रीमियम विनियम 4 के ग्रयीन उसके भविष्य निधि ग्रभिदान की राशि से कम नहीं है तो ग्रायुक्त उसे स्वीकार करेगा।

फिर भी वह किसी भी समय प्रीमियम रसीद
प्रयवा इसकी प्रमाणित प्रतियों में यह दर्शाया
गया हो कि बीमा कप्पनी को यह भुगतान
वास्तव में कर दिया गया है, मांग तथा जांच
कर सकता है। बीमा कर्ता द्वारा यह उपलब्ध
न करने की दशा में, आयुक्त उसके भविष्य
निधि में राशि जमा करने के लिए प्रभिदाता

के वेतन से आवश्यक कटौती करेगा। यदि अभिदाता ऐसा करना चाहे तो वह अपने भविष्य निर्धि से वैमासिक, छः माही अथवा वाषिक प्रीमियम का संदाय करने के लिए अग्रिम राशि के लिए आवेदन कर संकता है।

(vi) निधि में अभिदाता के नाम जमा किसी भी राष्ट्रि के प्रीमियम के सदाय के लिए अथवा जीवन पालिसी के एकल सदाय के लिए अथवा आयुक्त के विवेकाधिकार पर प्रीमियम के एकल सदाय के लिए आहरण किया जा सकेंगा। परन्तु अभिदाता के नाम पहले हीं, जमा राणि को प्रयोग करने के आधार पर अभिदाता को इन विनियमों के विनियम 4 के अधीन निर्धारित सीमा के भीतर उसके वर्तमान वेतन में से की जाने वाली कटौती से अतिरिक्त इसके, जब अभिदाता औसत वेतन के अवकाण या अन्यथा अवकाण पर हो, मुक्त नहीं किया जा सकेगा, चाहे इस राशि का भुगतान निधि या

बीमा पालिसी के लिए किया जाना हो।

टिप्पणी(1),—एकल प्रीमियम के संदाय के लिए इस खण्ड के ग्रधीन ग्राहरण की जाने वाली राशि केवल एक प्रीमियम के लिए अपेक्षित राशि ही होगी जोकि बीमा कम्पनी द्वारा प्राप्त करने के पश्चात्। तुरन्त कम्पनी की सम्पत्ति बन जाती है। ग्रिभिदाता बीमा कम्पनी में ग्रपनी पालिसी के भविष्य में देय प्रीमियम के समायोजन के संदाय के लिए निधि से राशि का ग्राहरण नहीं करेगा। राशि का ग्राहरण एकल संदाय सावधि पालिसी का वित्त प्रेषित करने के लिए ग्रनुक्रेय है ग्रीर केवल ग्राजीवन पालिसी के लिए ही नहीं ग्रीर ग्रिभिदाता तथा उसकी पत्नी को संयुक्त जीवन पालिसी को स्वीकार करने में ग्रापिट नहीं होनी चाहिये।

टिप्पणी (2) (i)—यदि अभिदाता आधुनत को समनुदेशित पालिसी को समादत पालिसी में परिवर्तित करने का प्रस्ताव करता है तो प्रथम यह सुनिश्चित होना चाहिये कि क्या बीमा कम्पनी इसके लिए नए दस्तावेज जारी करना चाहती है यदि ऐसा है तो पालिसी अभिदाता को निम्नलिखित प्ररूप में पुनः समनुदेशित की जानी चाहिये:—

मैं ' ' ' आयुक्त, नगर निगम ' ' ' '

एतद्द्वारा इस बीमा पालिसी को असमनुदेशित करता हूं।

नई पालिसी ग्रायुक्त को समनुदेशित की जानी चाहिये तथा उसे सौंपी जानी चाहिये ।

यदि कम्पनी पालिसी को उस पर पृष्ठांकन द्वारा समादत पालिसी में परिवर्तित करना प्रस्तावित करती है तो पालिसी बीमा कम्पनी को भेजने हेतु अभिदाता को सौंप दी जानी चाहिये अथवा, आयुक्त द्वारा सीधी भेज देनी चाहिये, परन्तु प्रत्येक िथिति में इसमें यह अनुरोध किया जाना चाहिये कि जब कम्पनी द्वारा ऐसा पृष्ठांकन किया जाये तो पालिसी सीधी आयुक्त को भेजी जाए।

यदि इस प्रकार पालिसी के अधीन प्राप्त होने वाले लाभों भें के विशेष परिवर्तन हो तो आयुक्त तथा अभिदाता द्वारा परिवर्गित स्थित को स्वीकार करते हुए एक ज्ञापन पृष्ठांकित और हस्ताक्षरित किया जाना अपेक्षित होगा।

(2) समादत्त पालिसियों की स्थिति में यह देखना श्रनिवार्य है कि पालिसी का समादत्त मूल्य निधि से परिवर्तित ब्याज की वह राणि जो प्रोदभूत होती, यदि प्रीमियम की निधि में हो, में ही रखा जाता, गणना करते हुए हिसाब में नहीं ली जायेगी। यदि समादत्त मूल्य प्रीपियम के संदाय के लिए ब्याज को सिम्मिलित न करते हुए निधि से प्रीमियम के संदाय के श्राहरण की गई राणि से कम हो तो श्रमिदाता द्वारा तुरन्त बकाया फण्ड में जमा करवाना श्रमेक्षित,

होगा । सपरिवर्तन की तारीख तक पालिसी से प्रोदम्त होने बाले कम्पनी द्वारा बताए गए किसी भी लाभ के अन्तरको गणना में केवल उस्.स्थिति में लिया जायेगा यदि कम्पनी पालिसी के ऊपर प्रविष्टि करक, लाभ की गारण्टी के लिए तैयार हो ।

- (3) प्रायुक्त को समनुदेशित पालिसी की स्थिति में जिसे प्रभिदाता अक्सापित करना चाहता है, पालिसी प्रभिदाता को अभ्यापित करने के प्रयोजन से इस शर्त पर भुनः समनुदेशित की जा सकेगी, कि पालिसी के प्रभापित मूल्य का निधि के खाते में संदाय करेगा और यदि अभ्यापित मूल्य प्रामियम के संदाय के लिए निधि से परिवर्तित कुल राणि तथा उस पर ब्याज की उपेक्षा कम हो तो वह बकाया (अन्तर) का भी निधि में संदाय करेगा । इसका ताल्पर्य यह है कि ऐसे मान तों को व्ययगत पालिसियों को तरह ही समझा जायेगा और निधि लेखा में राशि उतनी ही करनी पड़ेगी जितनी कि यह उस स्थिति में होती यदि प्रीमियम का संदाय इसमें से न किया होता ।
- (4) समादत्त और अध्यापित दोनों प्रकार की ही पालिसियों की स्थित में जहां य समझा जाता है कि निश्चि लेखे में संदाय किये जान वाले बकाया की एक ही किन्त में बमूनी से सम्बन्धित व्यक्ति को कठिनाई पैदा होती तो बसूनी जैसा आयुक्त निर्धारित करें 24 से अताश्चिक किस्तों में की जायोगी, यदि वसूनी किश्तों में की जानी है तो समादत पालिसी के मामले म वास्तविक वसूनी की अवधि के लिए व्याज प्रवार्थ नहीं होगा परन्तु अध्यापित पालिसी की स्थिति में इस अवधि के लिए व्याज सामान्य दर पर प्रचार्य होगा।

टिंगों (3) — उपयुक्त टिप्पणी (2) के उतबन्धों के स्रवीन पालिसियों 6 सन्तिन स्रम्पर्पण के मामने स्राते हैं ना कि पालिसियों के विनियम के मामनों तदनुसार, श्रायुक्त को समनुदेशित पालिसी का ऐसा धारक जो किसी एक पालिसी के स्थान पर सच्छी पालिसी प्रतिस्थापित करने स्रपनी स्थिति सुधारना चाहता है उसे निम्नलिखित शर्तों का स्रनुपालन करते हुए ऐसा करने की स्रनुमति दी जानी चाहिये, स्र्यात्—

- (1) नई पालिसी बीमा की उतनी ही या उससे ग्रधिक राशि की होनी चाहिए;
 - (2) नई पालिसी का प्रीमियम पुरानी पालिसी के लिए संदत प्रीमियम से प्रधिक नहीं होना चाहिये;
 - (3) नई पालिसी का परिपक्त उसी वर्ष के भीतर होना चाहिये जिसमें पुरानी पालिसी का परिपक्त होना हो ;
 - (4) नई पालिसी उसी तारीख से लागू होनी चाहिये जिसको मूल पालिसी ग्रभ्यापित की गई हो ।

िप्पती (4).--उक्त टिप्पगी (3) के उपबन्ध, पालिसी के ब्रध्यर्पण या ग्रच्छी पालिसी के दूसरे कार्यालय में प्रतिस्थापन से सम्बन्धित बहुत से मामलों में जिनमें पालिसी धारक के लिए अपनी पालिसी को दूसरीं पालिसी और अब्छे कार्यालय में प्रतिस्थापन करना लाभ कर हो, तो उस पालिसी को जो कि प्रतिस्थापित की जानी है पूर्ण रूप से अभ्यापित नहीं किया जाएगा । बीमा कम्पनियां विश्रमान पालिसी के अध्यर्पण के अनुकल्प में अगले प्रीमियम के वन्द किये जाने से पूर्व समादत पालसी की अनुज्ञा देती है। पृ्तिसी, समादत पालिसी के रूप में प्रवृत रहती है और नई पालिसी के प्रेंबीन बीमा कृत राशि के प्रतिरिक्त, बीमा बराबर के भाग के रूप म होती है। इस प्रकार से प्रतिस्थापित संव्यवहार के परिणाम स्वरूप पालिसी धारक का बीमा दो कार्यालयों में अंगतः पुराने में और अंशतः नए कार्यालय में रहेगा । यदि दोनों पालिसियों द्वारा दिये गये बीमा कबर की कुल राशि पुरानी पालिसी द्वारा उस प प्रीमियम के बन्द ग्रधिक है तो उक्त निर्दिष्ट टिप्पणी में निर्धारित प्रथम शर्तों का समाधान ही गया समझा जाएगा ।

(vii) निम्नलिखित स्थिति में पालिसी ग्रस्वीकृत नहीं की जाएगी

(1) यदि पहले हीं मृत्यु हो जाती है तो उसे समय तथा पालिसी की श्रविधि पूरी होने पर देय राशि में अन्तर हो, या

(2) यदि बीमाकृत यह बताने में असमर्थ होता है कि पालिसी की अविध पूर्ण होने पर निश्चित रूप से कितनी राशि देय है, या

(3) यदि कम्पनी द्वारा बीमा कर्ता का स्वास्थ्य परीक्षण

किया जाना श्रपेक्षित नहीं ;या (4) ग्राहरण की गई राणि के लिए एक श्रयवा एक में ग्रीधिक श्रन्यथा स्वीकार्य पालिसियों के प्रीमियम के संदाय के

(viii)(क) यदि ग्रायुक्त को समनुदेशित पालिमी ग्राभदाता हारा सेवा छोड़ने में पूर्ण परिपक्वता प्राप्त कर लेती है तो ग्रायुक्त उप-नियम (1)(ग) में उपवन्धित के ग्रीतिरस्त निम्नलिखित कार्रवाई करेगा।

यदि प्रोदभूत वोनम की राज्ञि महित वीभाकृत राजि. पालिसी के सम्बन्ध में निधि से रोकी गई या फ्राहरित की गई राजि उम पर व्याज सहित, से स्रधिक है जो कि स्रभिदाता को सम गुदेशत करेगा और उसे सौंप देवा और वह (अभिदाता) रोकी गई या साहरण की गई मारी राजि को उस पर प्रोद मून व्याज सहित निधि में संदत करेगा।

यदि प्रोदमून बोनम नहिन बीमाकृत राणि निधि में रोकी गई या ब्राहरिन की गई राणि में, उस पर ब्याज सहित, कम है नो, त्रायुक्त प्रोदभूत बोनम सहिन बीमाकृत राणि को बसूल करेगा ब्रौर इस प्रकार बसूल की गई राणि को निधि में ब्रभिदाता के खाने में जमा करेगा।

- (ख) किसी पालिमी पर प्रोदमूत बोनस पालिसी के उसकी परिपक्वता तक संचित होने दिया जायेगा परन्तु पालिसी धारक के लिए यह आवश्यक होगा कि वह उन्ह उस समय निकलवा लें जब वह देय ही जाये और राजि निधि में आभवाना के खाने में जमा की जायेगी।
- (ix) कोई ऐसी पालिसी, जिस पर प्रीमियम न लिए संदाय, इन विनियमों के अधीन निधि के अभिदान के लिए प्रतिस्थापित किया जायेगा या उसी प्रयोजन के लिए अभिदाता के खाने म जमा राशि से आहरित किया जाएगा और जिसका आयुक्त को पूर्व समनुदेशित नहीं किया गया है और इन विनियमों के अधीन सौंपी नहीं गई है, एसे संदाय या आहरण के तीन मास के भीतर समनुदेशित की जायेगी और उस राशि के समक्षित रूप से संदाय के लिए जो कि. पालिसी के व्यय पग होने या किसी ममनुदेशन, उस पर या उसके प्रवार्य विलिंगम को स्थित में अभिदाता दारा निधि में देय हो, की प्रतिभृति के रूप में सौंपी जायेगी।

स्रिभदाता द्वारा इस प्रकार किया गया कोई संदाय उस द्वारा निधि में स्रिभदान के लिए प्रतिस्थापन के रूप म नहीं समझा जाएगा, जब तक कि, जीवन बीमा पालिसी इस प्रकार समनुदेशित नहीं कर दी जाती और यथास्थिति ऐसे संदाय स्राहरण के पश्चात तीन मास के भीतर ऐसी समनुदेशन व्यातिकम में इस प्रकार संदत या स्राहरित राशि तुरन्त स्रिभदाता द्वारा सम्बन्धित स्रायुक्त को संदत या प्रतिदत की जाएंगी या व्यक्तिकम म स्रिभदाता क बेतन से काउ ली जाएगी।

- (X) (क) इन विनियमों कं स्रतीन पालिनी का समनुदेशन पालिसी पर पृष्ठांकित किया जाएगा श्रौर निन्नलिखित प्ररूप म होगा:
 - में ... एतर्द्दारा उन सभी राशियों के लिए जिन हे लिए कि मैं इन विनिममों के नियम 4 के अभीन नियम के भित्रंथ निधि प्रवन्ध के लिए एतदद्परचात निगम भविष्य निधि में संदाय के लिए दायी हुंगा, कि प्रतिभूति के रूप में बीमा पालिसी को अध्युक्त को ... अध्यापित करता हूं।

या एक मात हिताधिकारी के हित लिए अभिदत की गई बीमा पालिसी के मामले में निम्नलिखित रूप में ''हम क, ख (अभिदान) और ग, घ''के (पालिसी के एक मात हिताधिकारी) अप्युक्त नगर निगम) '''ढ़ारा हमारे अनुरोध पर यथास्यिति'' कथित क, ख '''ढ़ारा निगम भिविष्य निधि में देय अभिदान के प्रतिस्थापन में, बीमा पालिसी में सदाय को स्वीकृत करने या '''रे स्पये की राश्चि कथित क, ख'''के भविष्य निधि खाते में, जमा राश्चि में बोमा पालिसी के प्रीमियम के सदाय के लिए आहरण की स्वीकृति करन के प्रतिफल में, एतद्द्वारा सयुक्त और गृथक रूप से सभी राशियों के सदाय के सिए जो एतद्पश्चात कथित क, ख''' ढ़िरा निधि म देय होगी, को प्रतिभूति के रूप में बीमा पालिसी को कथित आयुक्त की समन्देशित करते हैं।

- (ख) खण्ड (ग) में यथा उपविश्वित के सिवाय, पालिसी श्रभिदाता को, उसके नौकरी छोड़ने पर या उस द्वारा उस पर प्रीमियम के संदाय के प्रयोजन में भविष्य निधि के लिए श्रियम के उस पर पूर्ण ब्याज सिंहत प्रतिदाय पर पुन: समनुदेशित को जायेगी और सौंपी जाएगी और नौकरी छोड़ने से पूर्व उसकी मृत्यु की स्थित में जब तक कि उपयुक्त उपिनयम (v) में अनुबद्ध हितधारी के लाभ के लिए पहले ही प्रभावित न हो, पालिसी का समनुदेशित इस समबन्ध के आदेश पारित करने के लिएसक्षम सिविल न्यायालय द्वारा अवधारित उसकी सम्पदा के निधि उत्तराधिकारी के पक्ष में निवपादित किया जाएगा। पालिसी धारक द्वारा अपने जीवन काल के समय पहले ही नियुक्त किय गये एकमात्र हिनधारी और वीमा कम्पनी द्वारा पंजीकृत के मामले में, समनुदेशन ऐसे हितदारी और वीमा कम्पनी द्वारा पंजीकृत के मामले में, समनुदेशन ऐसे हितदारी के पक्ष में प्रभावित होगा।
- (ग) यदि श्रायुक्त को किसी पालिसी के सम्बन्ध में किसी प्रकार के समनुदेशन या कुर्की, या विलंगम की सूचना प्राप्त होती है तो वह मिदाता ग्रयंवा उसकी मृत्यु होने की स्थिति में इस सम्बन्ध में म्रादेश पारित करमें में सक्षम सिवित न्यायालय द्वारा श्रवधारित उसकी सम्यदा क विधिक उत्तराधिकारी को पालिसी को पुन: समनुदेशन उस समय तक नहीं करेगा जब तक कि वह इस सम्बन्ध में मण्डलायुक्त शिमला से श्रादेश प्राप्त नहीं करता।
- (xi) जीवन पालिसियों के समनुदेशन और पुनः समनुदेशन के सम्बन्ध में निम्निनिखित प्रिक्रिया अपनाई जाएगी:--
- (क) खण्ड(ix) के अधीन जब भी कोई समनुदेशित पालिसी आयुक्त को दी जाती है तो इसके साथ अभिदाता द्वारा इस आशय का प्रमाण पत्र कि उक्त पालिसी का पूर्व समनुदेशन विद्यमान नहीं है, साथ नगाना होगा । आयुक्त स्वतंत्र रूप से अपना समाधान करेगा कि यह कम्पनी को सीधे निदेश का मामला है।
- (ख) प्रभिक्षाता द्वारा पालिसी के समनुदेशन की सूचना बीमा कम्पनी को भेजी जाएगी तथा बीमा कम्पनी से सूचना की पावती समनुदेशन की तारीख मे तीन मास के भीतर अभिदान। द्वारा आयुक्त को भेजी जाएगी।

ग्रादेश द्वारा, ग्रत्तर सिंह, सचिव।

[Authoritative English text of notification No. LSG-A (9)-9/81, dated 18-8-1984 published under Article 348 (3) of the Constitution of India].

LOCAL SELF GOVERNMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 18th August, 1984

No. LSG. A (9)-9/81.—In supersession of this department's notification of even number, dated 31-10-1983 and in exercise of the powers conferred under section 394(2) of the Himschal Pradesh Municipal Corporation Act, 1979 (Act No. 9 of 1980) the Governor of Himschal Pradesh is pleased to approve and publish the following "Shimla Municipal Corporation Employees Provident Fund Regulations, 1984" as framed by the Municipal Corporation Shimla under section 74(a) of the said Act:—

SHIMLA MUNICIPAL CORPORATION PROVIDENT FUND REGULATIONS, 1984

- 1. Short title, extent and commencement.—(1) These Regulations may be called Shimla Municipal Corporation Employees Provident Fung Regulations, 1984.
 - (2) These regulations shall come into force at once.
- (3) Subject to the provisions of section 74 (a) of the H.machal Predesh Municipal Corporation Act, 1979 these regulations shall apply to all the establishments to

which the Act applies.

- 2. Definitions.—In these regulations unless the context otherwise requires,—
 - (a) "Act" means the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1979.
 - (b) "Salary" meens the amount of monthly pay and shall include leave salary, special pay, cearness pay or any other remuneration classed as pay.
 - (c) "Assistant Commissioner" means the Assistant Commissioner/Secretary of the Municipal Corporation, Shimla.
 - (d) "Family" means a subscribers husband or wife, legitimate children and step children, parents sisters and minor brothers resioning with and wholly dependent on the subscriber and the widow and children of a deceased scon of the subscriber.

Note 1.—Children means legitimate children.

- Note 2.—An adopted child shall be considered to be a child. When any doubt arises in the mind of the Commissioner, then after obtaining legal covice and after he is satisfied that uncer the personal law of the subscribers, adoption is legally recognised as conferring the status of a n tural child.
- Note 3.—When the person has given his child in adoption to another person and if, under the personal law of the acoption, acoption is legally recognised as conferring the status of a natural child, such a child, for the purposes of these rules, shall be considered as excluded from the family of the natural father.
- 3. Constitution of the Fund.—The fund shall be espablished by the Corporation for the benefit of the officers and other employees of the Municipal Corporation Shimla.
- 4. Conditions and Rates of Subscription.—(1) Every servant appointed or promoted after the date of the Corporation's resolution to establish and maintain a provident fund shall be required to subscribe to such provident fund at the rate of 8-1/3% of his slary and any servant appointed or promotea to such an office before the date of such resolution may subscribe to such fund:

Provided that subscriber shall be eligible to contribute towards the provident fund after having completed two years continuous service:

Provided further that if a subscriber so desires, he may contribute to the provident fund at a higher rate but not more than double of 8-1/3 %.

- (2) The subscription to the fund shall be 8-1/3% of the salary of the subscriber. The amount shall be expressed in whole rupees i.e. when the calculation involves paise amounting to less than fifty paise, the paise shall be ignored and when the amount is fifty paise or more, full rupee shall be deducted. Such subscription shall be deducted each month from the salary of each subscriber by the Commissioner of the Corporation and the amount so deducted shall be credited to the fund of the subscriber.
- 5. Contribution by the Corporation.—At the end of each month, a sum equal to 8-1/3% of the salary of the subscriber shall be contributed to the fund by the Corporation and credited to the account of the subscriber:

Provided that no employee of the Corporation who shall be guilty of dis-honesty or other gross misconduct and has been consequently dismissed from the employment shall be entitled to the benefit of, or to receive any part of share in any sums at any time contributed by the

Corporation to the fund in his account or the accumulated interest or profits thereof and that the Corporation shall be entitled to recover as the first charge from the amount for the time being at the credit of any employee a sum equivalent to the amount or any loss or damage at any time sustained by the Corporation by reasons of his cishonesty or negligence, but not exceeding in any case the total amount of contributions credited to his account by the Corporation and of any interest or increment which has accrued on such contribution:

Provided further that no employee shall be entitled to receive, ny part or share in any sums contributed by the Corporation to the func and the interest which has accrued on such contribution, where he/she has resigned employment within two years of the commencement of the subscription to fund, unless he/she has established to the satisfaction of the Commissioner that his resignation was necessitated by incapacity for further service.

- Interest.—The rate of the interest to be allowed on all sums deposited in the fund shall be such as may be determined from time to time by the Commissioner or the Corporation and the amount of such interest shall be placed to the credit of each subscriber yearly, prise shall be eliminated altogether each time from the amount of interest at the time of calculation of yearly interest payable to the subscriber. The b. k nce thus rem. ining unpaid shall be added to the interest earned in the next year. The next amount of interest shall be calculated at the rate as determined above on the sum total of the previous balance and the present earned interest. However interest on the accounts settled during the year will be allowed on prevailing rate of interest on s..ving bank account.
- 7. Maintenance of Accounts.—The Commissioner shall cause to be maintained proper accounts relating to the fund, in forms appended to these rules showing the amount for the time being at the credit of each subscriber. Each subscriber shall be supplied with an annual statement showing the opening balance, deposits during withdrawals during the year, interest and closing balance at the credit of the subscriber.
- amount when Payable.—Subject to the provisions of these rules, the amount at the credit of a subscriber, shall become payable on the retirement/death of a subscriber or on his quitting the service of the Corporation.
 - Withdrawal from Fund in case of Leave Preparatory to Retirement.—In case of leave granted preparatory to retirement, a subscriber may at the discretion of the Commissioner or any other officer to whom powers may be delegated, be permitted to withdraw upto ninety percent of the amount at the cree it of the subscriber as his own share in the fund:

Provided that in case the subscriber returns to duty before retirement under the orders of the competent authority, the subscriber shall, notwithstanding anything to the contrary in regulations pertaining to the subscriptions during such leave or the claim to bonus or the interest on the balance, refund the full amount so withdrawn in lump-sum as a condition of continued em-

10. Nomination.—(i) A subscriber may Ideclaration signed by him/her and attested by Heads of the artment concerned st. ting the name/names of the per as to whom he/she desired that, in the event of his/ her death the whole or any part of the amount of the deposits shall be paid:

Provided that if at the time of making the nominations the subscriber has a family, the nomination shall not be in favour of any person or persons other than the members of the family.

(ii) If a subscriber nominates more than one person under clause (i) he shall specify in the nomination the amount of share payable to each of the nominees in such

manner as to cover the whole of the amount that may stand to his/her creait in the func at any time.

- (iii) A subscriber may at any time cancel nomination by sencing a notice in writing to the Commissioner provided that the subscriber shall along with such notice send a fresh nomination made in accordance with the provisions of clauses (i) and (ii).
 - (iv) A subscriber may provide in a nomination:-
 - (a) in respect of any specifica nominee that in the event of his/her preceesing the subscriber, the right conferred upon that no mince shall pass on to such other person or persons as m y be specified in the nomination; provided that such other person or persons shall, if the subscriber has other members of his/her family, be such other member or members;

(b) that the nomin tion shall become invalid in the event of happening of a centingency specified therein; provided that if, at the time of making the nomination the subscriber has no family he/ she provices in the nomination that it shall become invalic in the event of his/her subsequently acquiring a family.

(v) Immediately on the death of a nominee in respect of whom no special provision has been made in the nomin, tion uncer cl. i.se (a) of sub-rule (iv) or on the occurrence of cleuse (b) of sub-rule (iv) of the provisions thereto, the subscriber, shall senu to the Commissioner notice in writing cancelling the nomination together with a fresh nomination made in accordance with the provisions of the rule.

(vi) Every nomination made, by a subscriber shall to the extent it is valid, take effect on the cate on which it is received by the Commissioner/Assistant Commissioner/Heads of Departments.

(vii) If no such nomination subsists or such nomination relates only to a part of amount standing to the credit of subscriber, the whole amount or the part not covered by nomination shall, notwithstanding any nomination purporting to be in favour of any person other than a member of the subscriber family become payable as one moiety to the widower or the widow (or in equal shares to the widows) as the case may be and as the other moiety in equal shares to the children of the subscriber:

Provided that if one or more of his sons have died leaving behind their widows or sons or both, the respec-tive share of each deceased son shall be payable in equal shares amongst their sons or widows or both:

Provided further that if the subscriber has left only widower or widow or widows as the case may be, the amount sh. Il become payable to such wicower or widow in equal share as the case may be or if the subscriber has left only children, the whole of the amount shall be payable to such children in equal share subject to the proviso to the above rule and in the absence of children or widow or widows or widower as the case may be, in equal share among other members of the family:

Provided further that no share shall be payable to:—

- (1) Married daughters whose husband are alive. (2) Married daughters of a deceased son whose husband are alive.
- Advance from the Fund.—(1) A temporary advance/ non-refundable advance from the fund may be permitted by the Commissioner or any other officer to whom Powers may be delegated in this behalf to the subscriber

subject to the condition that:

- (a) no advance shall be granted unless the sanctioning authority is satisfied that the applicant's pecuniary circumstances justify it, and that it shall be expended on the following objects and not otherwise;
- (b) an advance may be granted equal to 48 month's pay to defray the cost of purchase of a house

or construction of a house or purchase of land for construction of a house provided that in such case recovery has to be made in 144 equal monthly instalments as required under rule 13 (1);

(i) the subscriber or any other member of his family has no residential house of his own and that he has subscribed to the fund for not less than 5 years:

for not less than 5 years;
(ii) an advance shall in no case exceed the subscription and interest there on standing

to the cre it of the subscriber;
(iii) an advance equal to 48 month's pay may
be drawn in more than one instalment.

(2) An advance may be granted to purch se a motor car/motor cycle, scooter subject to the conditions that:—

(i) the subscriber has subscribed to the fund for not less than 5 years;

(ii) a vance for the purchase of motor cycle/scooter shall be admissible to the subscriber drawing o sie pay not less thin Rs. 500/- p.m. and it shall be limited to 15 month's pay or the equal police of the conveyance, whichever is less;

p. Se of the conveyance, who have the conveyance, who have for the purchase of motor car shall be admissible to a subscriber drawing basic pay not less than Rs. 1500/- and it shall be limited to Rs. 25000/- or the cost of car, which ever is less:

Private, that an advance in these cases shall in no case exceed to the extent of 48 months salary or 3/4th of the amount scan ling to the credit in the fun, whichever is less:

Provided further that a second advance for the purchase of scooter/motor cycle shall not be granted until at least 5 years have passes; since the grant of first advance and the first advance has been fully recovered.

(3) An advance may be granted:-

 (i) to pay expenses in connection with the prolonged illness of the subscriber or any other family member actually dependent on him;

(ii) to pay for the overseas passage only for reasons of health or e action of the applicant or any person actually dependent on him. Advances from the fun may also be granted to subscriber subject to the usual conditions to meet the cost of education of himself or members of his family actually dependent on him for education outside India, whether for academic, technical, professional or vocational course, or for medical, engineering and other technical or specialised courses in India beyond the High School stage:

Provided that the duration of the course of study is not less than three years;

(iii) to psyobligatory expenses on a scale appropriate to the applicant's status which by customary usage the applicant has to incur in connection with subscribers own marriage or marriage, funeral or other ceremonies of persons actually dependent on him/her and to meet the cost of legal proceedings for vindicating his/her position in regard to any allegation made against him/her in respect of any act done or purporting to have been done by him/her in the discharge of his/her official duty:

Provided that the advance shall not be admissible in respect of any matter not connected with his/her official duty:

Provided further that the condition of actual dependency shall not apply in the case of son or daughter of the subscriber:—

(a) An advance admissible under sub-clause (1) to (3) shall in no case exceed 3/4th of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the subscriber on the fund or the amount equivalent to 6 months pay whichever is less and shall be limited to 6 month's pay.

- (b) An advance shall not accept for special reasons to be recorded in writing by the sanctioning authority, be granted until at least 12 months after the final payment of all previous advances together with interest thereon and the amount already advanced does not exceed two-thirds of the amount admissible under sub-clause (a).
- 12. Non-Refundable Advance.—(1) (a) A subscriber after the completion of 20 years service (inclusing broken periods, if any) or within 12 years before the date of his/her retirement on superannuation, whichever is earlier may be granted an advance equal to twelve months pay of subscriber or one-half of the amount standing to his credit, whichever is less to meet the expenses in connection with the marriage of the subscriber's daughter/son.
- (b) In sanctioning non-refundable advance under this sub-rule the temporary advances outstanding against the subscriber if any, will not be taken into account.
- (2) A subsc. iber after the completion of 12 years service (including broken periods, if any) or within 12 years, before the date of his/her retirement on superannuation whichever is earlier may be granted an advance equal to 48 months pay of the subscriber or employee's own subscription plus 80% of the Corporation's contribution including interest thereon, whichever is less, for building or acquiring a suitable house for his residence including the cost of the site or for purchasing a house site or for constructing a house on a site purchased subject to the condition that the amount shall be utilised for the same purpose for which it has been anctioned. (Advance equal to 48 months pay may be drawn in more than one instalment).
- (3) A subscriber having a basic pay not less than Rs. 500/-p.m. and who has put in 10 years service may be granted a non-refundable advance for the purchase of motor cycle/scooter. The limit of the advance shall not exceed Rs. 4500 or 15 months pay of the subscriber or one half of the balance with interest thereon at the credit of the subscriber or actual price of the motor cycle/scooter whichever is less.

The employees having 5 years service may be granted a non-refundable advance not exceeding Rs. 300/- for the purchase of bycycle or half of the balance at the credit of the subscriber whichever is less.

The second advance for the purchase of scooter, motor cycle/cycle shall not be granted until at least 5 years have passed since the grant of first advance and the first advance has been fully recovered.

Note.—A subscriber who draws refundable advance under the ordinary rules, may convert at his/her discretion by a written request addressed to the Secretary, through the sanctioning authority, the balance outstanding against him/her into a final withdrawal on his/her satisfying the conditions laid down in this rule.

13. Recovery of Advances—(1) An advance shall be recovered from the salary of the subscriber in such number of equal monthly instalments as the sanctioning authority may determine but such number shall not be less than 12 unless the subscriber so selects and in any case not more than twenty-four. A subscriber may, at his option make repayment in a smaller number of instalments than that prescribed. Each instalment shall be a number of whole rupees the amount of the advance being raised or reduced if necessary to admit the fixation of such instalments. However, in case of any advance equal to 12 months pay/advance for scooter/motor cycle/car, the recovery shall be made in 48 instalments and in case of an advance to 48 months pay recovery shall be made in 141 equal instalments.

- (2) Recovery shall not be made, except with the subscribers consent while he is on leave or in receipt of subsistance grant and may be postponed by the sanctioning authority during the recovery of an advance of pay granted to the subscriber.
- \(\frac{1}{3}\)) If more than one advance has been made to a subscriber, each advance shall be treated separately for the purpose of recovery.
- (4) (a) After the principal of the advance has been fully repaid, interest shall be paid at the same rate as the Corporation pays interest on all similar deposits in the fund, on the principal for each month or broken portion of a month during the period between drawal and complete repayment on the principal.
- (b) Interest shall ordinarily be recovered in one instalment in the month after complete repayment of the principal but if the period referred to in clause (a) exceeds twenty months, interest may, if the subscriber so desires, be recovered in two equal monthly instalments.
- (5) Recoveries made under these regulations shall be credited as they are made to the account of the subscriber in the fund.
- (6) A subscriber who has been permitted to withdraw money from the fund shall satisfy the Secretary within a period of 3 months that the money has been utilised for the start purpose for which it was withdrawn and if he fails to do so, the whole sum so withdrawn or so much thereof as has not been applied for the purpose for which it was withdrawn, shall forthwith be repaid in one lump sum together with interest thereon by the subscriber to the fund and in default of such payment, it shall be ordered by the sanctioning authority to be recovered from his empluments either in lump sum or in such number of monthly instalments as may be determined by the Secretary.
- 14. Payment of Insurance Premium out of the Fund.— Payment of premium for a policy of Insurance may, at the option of the subscriber be made from subscription

- to the fund, subject to the conditions mentioned in Annexure A.
- 15. General rules as to withdrawals.—(1) No sum shall be withdrawn from the provident fund account with the Saving Bank except, Post Office/Saving Bank accounts or Nationalised Bank except:—
 - (a) For the purpose of investment in Government securities, fix deposit receipts in Nationalised Banks or Post Office Nationalised Saving Certificates or any other form of securities approved by the Government.
 - (b) For the purpose of making advance to a subscriber.
 - (c) When a subscriber's account is to be closed for payment to the subscriber or his legal heirs.
- (2) Saving Bank means P. O. S. Bank Account or Saving Bank Account or any Nationalized Bank.
- 16. Amount to be with-held when the Account is finally closed.—Notwithstanding anything contained in these rules or required under rule 226 of the H. P. Municipal Account Code any sum due from a subscriber to the Corporation at the time when his account is closed, the Corporation may deduct the amount of such sum but not exceeding in any case the total amount of its contribution credited to the account of the subscriber and interest accrued thereon before making payment of the amount at credit of his provident fund account. In any case, the Corporation share shall not be released till a subscriber vacates the Corporation accommodation allotted to him.
- 17. Repeal and Savings.—The rules contained in Chapter XIV of the Municipal Account Code, 1975, which are applicable to the employees of the Municipal Corporation, Shimla are hereby repealed:

Provided that anything done or action taken under the rules, so repealed shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations.

FORM P.F. 1

PROVIDENT FUND LEDGER

Number of Account

Name of Subscriber

Folio Number of Establishment Check Register

	,				1121	mient Check i	CE 121CI
Year	D posits	Contribution	Total	Withdrawals	Actual monthly balance in hand	on which	withdrawals on which interest is
1	2	3	4	5	6	7	8

Opening Balance April May

June July Augus

August September November

December January February

Total

March

Intt. during the year

Balance on 31st March

FORM PF 2

April	May	June		July	
1	2	3		4	Ĭ
No. of Depositor Name and designation Dening balance Date of credit Deduction from salary	Date of credit Deduction from salary Municipal contribution	Date of credit Deduction from salary Municipal contribution	Date of control Deduction Municipal	from s	
Municipal contribution Total	Total	Tota!	Total		4

August	September	October	November
5	6	7	8
Date of credit Deduction from salary Municipal contribution Total	Date of credit Deduction from salary Municipal contribution Total	Date of credit Deduction from salary Municipal contribution Total	Date of credit Deduction from salary Municipal contribution Total

December January February March 9 10 11 12 Date of credit Date of credit Date of credit Interest added for the year Deduction from salary Deduction from salary Deduction from salary Total carried forward Municipal contribution Municipal contribution to next year's account Remarks Municipal contribution Total Total Total

			4.0 M
C		P.F. 3	
	OBSCRIBER'S AN	NUAL ACCOUNT	
		Municipal Provident Fund	
NAME OF SUBSCRIBER DETAIL	Amount	Less amount of advance outs Balance at credit of acco	unt on
Balance at credit of account 31st March, 19	Rs. ———	Any representation with	Rs.
Subscription and contribution received	Rs. ———	this account which the sub	regard to the correctness of sscriber may wish to make within one month from the retary of the Corporation
Interest accrued	Rs. ————		
Less Interest on balance of advance Total:	Rs. ———	Date Initials of Accountant.	Commissioner, Municipal Corporation, Shimla City

Initials of Accountant.

Shimla City.

FORM P. F. 4 PROVIDENT FUND BILL MUNICIPAL CORPORATION SHIMLA

Total Total	No.		· Yea	r		Month-	
Total Date Pay Rs. Examined and entered. Accountant. PROVIDENT FUND ACCOUNT MUNICIPAL CORPORATION SHIMLA Remitted to Savings Bank Date Bill No. Account Bill No. Account Disposal of sums withdrawn to Municipal fund to Municipal fund for	Detailed Head of	No. and date of	salary Amount o	f subscription	Amount	of contribution	Total
Total Date Pay Rs.— Examined and entered. Accountant. Signature of officer author to order payms FORM P. F. 5 PROVIDENT FUND ACCOUNT MUNICIPAL CORPORATION SHIMLA Remitted to Savings Bank Date Bill No. Account Disposal of sums withdrawn to Municipal fund to Savings Form transaction Investments Payment to subscriber by way of advance 7 8 9 9 10 11				3		4	5
Pay Rs. Examined and entered. Accountant. FORM P. F. 5 PROVIDENT FUND ACCOUNT MUNICIPAL CORPORATION SHIMLA Remitted to Savings Bank Date Bill No. Account Disposal of sums withdrawn to Municipal fund transaction Investments Payment to subscriber by way of advance The sum of the payment to subscriber by way of advance The sum of the payment to subscriber or his heirs on closure of account Signature of He Department. Signature of He Department to Account to Acc	. .						
Pay Rs.—Examined and entered. Accountant. FORM P. F. 5 PROVIDENT FUND ACCOUNT MUNICIPAL CORPORATION SHIMLA Remitted to Savings Bank Date Bill No. Account Disposal of sums withdrawn to Municipal fund Transaction Investments Payment to subscriber by way of advance The sum of officer author to order paym. Signature of He Department. No. of children crediting amount withdrawn to Municipal fund to Municipal fun		То	tal				
PROVIDENT FUND ACCOUNT MUNICIPAL CORPORATION SHIMLA Remitted to Savings Bank Date Bill No. Account Disposal of sums withdrawn transaction Investments Payment to subscriber by way of advance Power of account FORM P. F. 5 PROVIDENT FUND ACCOUNT Municipal Fund Savings Bank No. of children crediting amount withdrawn to Municipal fund 5 6 Refunded to pal Fund Fund Fund Subscriber or his heirs on closure of account Refunded to pal Fund Fund Fund Fund Fund Fund Fund Fund	Pay Rs.——— Examined as		nt.			D Signature of	officer authorised
Date Bill No. Account by Savings Bank No. of children crediting amount withdrawn to Municipal fund 5 alance after each transaction Disposal of sums withdrawn Investments Payment to subscriber by way of advance or his heirs on closure of account 7 8 9 10 11	·		PROVIDE	ENT FUND A	N SHIML	A 	
Date Bill No. Account No. of children crediting amount withdrawn to Municipal fund 2 3 4 5 6 Alance after each transaction Investments Payment to subscriber by way of advance or his heirs on closure of account 7 8 9 10 11	Remitted	to Savings Bank		Interest of by Saving	credited s Bank —	Withdrawal fro	m Savings Bank
Alance after each transaction Disposal of sums withdrawn Refunded to pal Full Name of account	Date	Bill No.	Account		a	crediting mount withdraw	/n
Investments Payment to subscriber by way of advance Payment to subscriber or his heirs on closure of account 7 8 9 10 11	d)	2	3	4	'		
Investments Payment to subscriber by way of advance or his heirs on closure of account 7 8 9 10 11	alance after each		Disposal o	f sums withd	rawn		Refunded to Mun
Dill No. Amount	transaction	Investment	s Paymen by way	t to subscriber of advance	or h	us heirs on	pal Fund
Bill No. Amount Bill No. Amount Bill No. Amount	7	8		9		10	11
59	*5°	Bill No. Amor	int Bill No.	Amount	Bill N	o. Amount	-

FORM P.F. 6

			of Investments Cost		
Sl. No.	Date	Bill No.	Description of investment	f Nominal value	Actual price debit- able to provident fund
1	2	3	4	5	6
			S	Sale of Investments Interest	
Brokerage and other charges debitable to municipal fund	Total cost	Rate	Amount	Number of challan with which remitted to treasury	Amount
7	8	9	10	11	15
					13
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			Dispo	osal of proceeds	<i>b</i> -
	Gross price realized	payment fund ac	bill for re- A to provident	or	rcredited (+) to
Brokerage and other charges on account of sale	Gross price realized	payment fund ac Saving:		mount repaid Diffe	erence debited(—) r credited (+) to nunicipal fund
mount of interest An investments recurring the current un	PROVIDENT FUN	payment fund ac Saving:	bill for re- to provident ecountin s Bank 15	mount repaid Diffi	r credited (+) to nunicipal fund

FORM P. F. 10.

THE PROVIDENT FUND

Rule_	
Depositor No	

FORM OF DECLARATION

(For Subscriber)

I hereby declare that in the event of my death the amount at my credit in the Provident Fund shall be distributed (among the persons mentioned below in the manner shown against thier names).

The amount due to nominee who is a minor at the time of my death should be paid to the person whose name appears in column 5.

Name and address of the nominee or nominees	Relationship with the sub- scriber	Whether major or minor, state his age	Amount of share of deposit	Name and address of the person to whom payment is to be made on behalf of the minor	Sex and parent- age of person mentioned in column 5	Remarks
1	2	3	4	5	6	7

Here state unmarried, married or widower.-

Witnesses to signature of subscriber.—

Witness No. 1
Signautre—————
Occupation————
Address—————

Witness No.
Signautre———
Occupation———
Address————

to leave the amount of his accummulation in the fund or any part of it to any one

Signature of subscriber.

1

outside his tamily.

ANNEXURE 'A'
(See in regulation 4)

Note.—A subscriber having a family as defined in rule-

Payments towards a policy of insurance may, at the option of subscribers, be substituted for or deducted from subscriptions to the Provident Fund, subject to the following conditions:—

 (i) only the amount of subscription with interest standing at the credit of a subscriber in the provident fund may be withdrawn to meet the payment of premia;

(ii) if the total amount of any subscription or payment substituted is less than the amount of subscription payable to the fund under regulation the difference shall be paid by the subscriber as subscription to the fund;

(iii) the policy to be financed from the provident fund shall be the one effected by the subscriber himself on his own life except a "Pure Endowment" policy, which involve no element of risk on life. The policy shall be such as is legally assignable to the Commissioner of the Corporation.

Motes.—(1) A guarantee policy which ensures the payment of the sum assured in the event of the policy holder being retired by the medical board shall be accepted for the purposes of these regulations contingent annuity, which in the event of his death, ensures certain income to the insurent's wife or children or both shall also be accepted for the purposes of these regulations.

(2) If a policy of insurance is effected by a subscriber on his own life for the benefit of a sole beneficiary specifically named therein a formal assignment by both the insured and the bene-

ficiary shall be permissible. An assignment of a policy effected by a subscriber on his own life for the benefit of more than one beneficier whether existent or not at the date of the policy shall not, in view of the attendant legal difficulties, be permissible under these regulations.

is not permitted in this Form of declaration

- (iv) The policy shall not be effected for the benefit of any person/persons other than that those who is/are entitled to receive the amount of the provident fund from which the policy is financed.
- (v) The Commissioner of the Corporation shall not make any payments on behalf of the subscribers to insurance companies or shall be taken steps to keep the policy alive. If a subscriber certifies every month at the time of preparation of the pay bill that the monthly premium payable by him to the insurance company is not less than amount of his provident subscription under regulation 4 the Commissioner shall accept the same. He can, however, demand and scrutinize, at any time, the premium receipts or certified copies thereof showing that such payments have actually been made to the insurance company. In the event of the insurant's not furnishing the same, the Commissioner shall make the necessary deductions from the subscriber's pay for deposit in his provident fund. Should the subscriber prefer to do so, he may apply for an advance, from the provident fund, for payment of his quarterly, half-yearly or yearly

(vi) Any sums already at the credit of the subscriber in the fund may be withdrawn for the payment of premia or for the purchase of a single payment of life policy, or at the discretion of the

Commissioner for the payment of a single premium but the utilization of sums already at credit shall not relieve the subscriber from continuing to make the usual deductions from his current salary within the limit prescribed in regulation 4 of these regulations whether the amount is to be paid into the fund or towards an insurance policy except when the subscriber is on leave other than leave of average pay.

- The amount which may be withdrawn under this clause for payment of a single premium is the amount required to a single premium which on receipt by the insurance company at once becomes the property of the company. A subscriber shall not withdraw an amount from the fund for deposit with the insurance company for adjustments towards payments of future premia on his policy. Withdrawals are permissible to finance single payment endowment policies and not merely whole life policies and there should be no objection to the acceptance of a policy on the joint lives of a subscriber and his wife.
 - 2. (1) When a subscriber proposes to convert a policy which has been assigned to the Commissioner to a paid-up policy, it should first be ascertained whether the insurance company intends to issue a new document. It is thus, the policy should be re-assigned to the subscriber in the following form, namely:-
 - 1.....the Commissioner of theMunicipal Corporation, hereby assign, unto.....the within policy of assurance."

The new policy should be assigned to the Commissioner and handed over to him.

- If the cor pany proposes to convert the policy into a paid-up one by means of an endorsement thereon to that effect, the policy should either be handed over to the subscriber or transmission to the insurance company, or be sent direct by the Commissioner but in either case with a request that the policy when so endorsed by the company may be returned direct to the Comimssioner. If there is thereby a redical change in the benefits derivable under the policy a memorandum may be required to be endorsed and signed by the Commissioner well as the subscriber acknowledging the altered position.
- (2) In the case of paid-up policies it is necessary to see that the paid-up value of the policy is not less than the amount of the premia diverted from the fund. The amount of interest which would have accrued on such premia had they been left in the fund should not be taken into account in the calculation. If the paid-up value is less than the total of the sums withdrawn from the fund for premium payments, not including interest the subscriber should forthwith be required to pay the difference into the fund. Any profits stated by the company to have accrued on the policy upto the date of its conversion should, however, be taken into account in calculating the difference, only if the company is prepared to guarantee the profits by making an entry on the policy.
- (3) In the case of a policy assigned to the Commission which subscriber wants to surrender, the policy may be re-assigned to the subscriber for the purpose of the surrender on the condition that he pays the surrender value of the policy into the fund account, and, if the surrender value be less than the total of the sums diverted from the fund for premium payments, and interest thereon, that he also pays the difference into the fund. In other words, such cases should

be treated like these of lapsed policies and the fund account has to be restored to what it would have been had the premia not been paid out of it.

- (4) In cases both the paid-up and surrendered policies in which it is considered that the recovery in a single instalment of the difference to be paid into the fund account will cause hardship to the individual concerned, recovery should be effected in such number of instalments not exceeding 24, as the Commissioner may decide. If the recovery is made by instalments, interest will not be charged in the case of paid-up policies even for the period of actual recovery, but interest at the usual rate will be charged for this period in the case of surrendered policies.
- 3. The provisions of note 2 above cover cases for final surrender of policies and not of exchange of policies. Accordingly a holder of a policy assigned to the Commsr. who desired to improve his position by replacing one policy by a better one should be permitted to do so, subject to the following conditions being observed, namely:

(1) the new policy should carry the same or a large or amount of insurance

(2) the premium in respect of the new policy should not be more than the premium paid in respect of the old policy;

(3) the new policy should mature within the

same year as the old policy;
(4) the new policy should be in force on the date on which the original policy is surrendered.

4. The provisions of note 3 above contemplate the surrender of a policy or the substitution of a better policy in another office. In many cases in which it is to be advantage of a policy holder to replace his policy by a policy in another and better office, the policy which is to be replaced may not be entirely surrendered. Insurance companies a low, as an alternative to the surrender of the existing policy, a fully paidup policy for a reduced sum insured as a quidpro-quo for premium paid prior to discontinuance of further premiums. The existing policy remains in force as a paid-up policy, and constitute part insurance cover in addition to the sum insured under the new policy. Thus as a result of the replacement transaction. the policy holder holds insurance in two offices partly in the old and partly in the new office. If the total amount of insurance cover given by the two policies be the ame or large then the amount of insurance given by the old policy prior to the discontinuance of the premium thereunder, the fire of the conditions set out in the note referred to above should be regarded as satisfied.

(vii) Policy shall not be rejected, if-

(1) there is a difference between the amount payable at maturity and death if it occurs earlier; or

(2) the assured is unable to say what amount precisely will be payable at maturity; or

(3) the insurant has not been required to be medically examined by the company; or (4) the amount withdrawn is to meet the pre-

mium due for one or more policies, provided they are otherwise acceptable. (viii) (e) If a policy assigned to the Commissioner ma-

tures before the subscriber quits the service, the Commissioner. shall, save as provided in subrule (x) (c) proceed as follows:

If the amount assured together with the amount of any accrued bonuses is greater than the whole of the amount withheld or withdrawn from the fund in respect of the policy with interest thereon, the Commissioner shall re-assign the policy to the subscriber and make it over to him and the subscriber shall pay to the fund, the whole or any

amount withheld of withdrawn with in terest accrued thereon.

If the amount assured together with the amount of any accrued bonuses is less than the whole of the amount withheld or withdrawn, with interest, the Commissioner shall realise the amount assured together with any accrued bonuses and shall subscriber in the fund.

(b) The bonuses which accrue on any policy may be allowed to accumulate with the policy until it mitures, but it is incumbent on the policy holder to withdraw them as they fall due, the amount shall be credited to the subscriber's

account in the fund. (ix) A policy, the payment or payments for any premia on which shall, under these regulations substituted for subscriptions to the fund or withdrawn from the sum at the credit of a subscriber for the same purpose, and which has not aiready been assigned to the Commiss oner of the Corporation and delivered to him under the regulations shall within 3 months of such pay ment or withdrawal be so assigned and delivered as security for the payment contingently of the sum which in the event of lapse, of the policy or any assignment, charges of encumbrance thereof or thereon becomes a payable by the subscriber to the fund. No payment so made by a subscriber shall be considered as in substitution for any subscription by him to the fund unless and until the life policy shall have been so assigned and in default of such assignment within three months after such payment or withdrawal, as the case may be, the amount so paid or withdrawn shall forthwith be paid or repaid by the subscriber concerned to the Commissioner or shall in default be conducted from such subscriber's pay.

(a) The assignment of a policy under these regulations shall be endorsed on the policy and shall be in the following form:—

 rupees......from the sum to the credit of the said A. B. in the provident fund for payment of the premium of the within policy of assurance), hereby jointly and severally assign unto the said Commissioner the within policy of insurance as security for payments of all sums which the said A. B. may hereafter become liable to pay to that fund."

(b) Save as provided in the clause (x) (c) the policy shall be re-assigned to the subscriber and handed back to him on quitting his service or on his refunding with the full interest thereon any advance taken from the provident fund for the purpose of paying premia thereon and in the event of his death, before quitting the service, unless the policy of his death, before quitting the service, unless the policy is already effected for the benefit of the beneficiary stipulated in sub-rule (v) above, re-assignment shall be executed in favour of, and the policy be handed to the local legal representative of his estate as determined by a civil court having competence to pass orders in this respect. Notice of re-assignment shall be sent to the insurance company by the Commissioner of the Corporation. In the case of a sole beneficiary having been already appointed by the policy holder during his life time and registered by the insurance company the re-assignment shall be effected in favour of such beneficiary.

(c) If notice has been received by the Commissioner of any assignment or attachment of or encumberace on the policy, he shall not execute a re-assignment of the policy in favour of the subscriber or in the event of his death to the illegal representative of his catate as determined by a civil court having competence to pass orders in this respect until he shall have obtained the orders of the Divisional

Commissioner, Shimla.

(xi) The following procedure shall be observed in regard to the assignment and re-assignment of life policies:—

(a) When the assigned policy is delivered to the Commr. under clause (ix) it shall be accompanied by a certificate from the subscriber to the effect that no prior assignment of the policy exists. The Commr. shall satisfy himself independently that this is the case by direct reference to the

insurance company.

(b) Notice of the assignment of Policy shall be given by the subscriber to the insurance company and acknowledgement of the notice of the insurance company shall be sent by the subscriber to the Commr. within three months of the date of assignment.

By order, ATTAR SINGH, Secretary (LSG).

भाग ४-स्थानीय स्वायत शासनः म्युनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तया पंचायती राज विभाग कृत्य

माग 5—वैयक्तिक ग्रधिसूचनाएं और विज्ञापन

In the Court of Shri Roop Singh Thakur, District Judge, Shimla, Bilaspur and Kinnaur Districts at Shimla Himachal Pradesh

هڙيه

In case.—1. Shri Manushreekirti s/o late Shri Bhagwanvidya Negi, 2. Shri Munishashan Dhawaj s/o late Shri Bhagwanvidya Negi residents of Village and P.O. Sunnam, Tehsil Rohroo, District Shimla Himachal Pradesh. Applicants. The general public

Versus ... Respondent.

An application under Section 372 of the Indian Succession Act for issuance of Succession Certificate in respect

sion Act for issuance of Succession Certificate in respect of the estate of late Shri Tanjingial Chhan.

The

The general public.

Whereas in the above noted petition the petitioner

Shri Manjushreekirti has applied for the grant of Succession Certificate in respect of Debts and Deposits of late Shri Tanjingial Chhan village and P.O. Sunnam, Tehsil Pooh, District Kinnaur, Himachal Pradesh.

Notice is hereby given to the general public, relations and kinsman of the deceased Shri Tanjingial Chhan that if any body has got any objection the same be filed in this court on or before 4-1-1985 failing which the petition shall be heard and decided ex parte.

Given under my hand and seal of this court this 24th day of November, 1984.

Seal.

Sd/-

District and Session Judge, Shimla.

In the Court of Shri V. K. Gupta S.D.J.M. Amb, District Una

Execution No. 8 of 84

i. Urmila Devi w/o Dev Raj, 2. Suman Devi minor d/o D.v Raj s/o Khushi Ram caste Ghirath r/o village Kohir Chan, P. S. Tehsil Amb, District Una at pres n. c., Rinjit Singh s/o Chiran Dess r/o village Charara, P. S. and tehsil Amb, District Una

Versus

1. Dev Rej s/o Khushi Ram, aste Ghirth r/o village Kohar Chhan, P. S. and Tehsil Amb, District Una J.D.

Execution

Whereas in the above noted execution has it been proved to the sitisfiction of this Court that the above named J. D. Shri Dev Raj cannot be served by way of ordinary process of service as the summons issued to the said J. D. have been received back as unserved.

Hence this proclam tion under Order 5, Rule 20 C.P.C. is hereby issued to the above named defendant to appear in this court on 29-12-84 at 10 A.M. personally or through their authorised agent or pleader otherwise ex parte proceedings shall be taken against the said J. D.

Given under my hand and the seal of the Court this 22nd day of November, 1984.

Seal.

V. K. GUPTA, Sub-Judge 1st Class Amb. District Una (H.P.).

In the Court of Shri V.K. Gupta, Sub-Judge 1st Class Amb, District Una

CIVIL SUIT No. 944 OF 84

1. Raju Ram s/o Sunder, Caste Bahti, r/o village Nandpur, Tehsil & P. S. Amb, Distt. Una ... Plaintiff.

Versus

1. General Public, 2. Pohlo Ram, s/o Sunder, Caste Bahti, r/o village Nandpur, Tehsil Amb, District Una.

Defendants.

SUIT FOR DECLARATION Who easin the above noted case it has been proved to the satisfaction of this Court that the above named defendant Shri Pohlo Ram cannot be served by way of ordinary process of service as the summons issued to the said defendant have been received back unserved.

Hence this proclamation under Order 5, Rule 20

C.P.C. is hereby issued to the above named defendant to appear in this Court on 31-12-84 at 10 A.M. personally or through their authorised agent or pleader otherwise ev parte proceedings shall be taken against the said defendant. Given under my hand and the seal of the Court this 22nd day of November, 1984.

Seal.

V. K. GUPTA, Sub-Judge Ist Class, Amb, District Una.

... Proforma defendant's

... Plaintiff

In the Court of Shri V. K. Gupta Sub-Judge Ist Class Amb, District Una

CIVIL SUIT No. 945 OF 84

1. Sansar Chand, 2. Dalip Singh sons of Shri Bhagwana, caste Rajput r/o Village Amb, Tehsil Amb, District

Versus

1. Rachhpal Singh, 2. Joginder Singh, 3. Major Singh sons of Shri Wattan Singh, 4. Smt. Lajwanti, wd/o Shri Wattan Singh all caste Rajp.:t r/o Village Amb, Tehsil Amb, District Una contesting Defendents, 5. Harbans Singh, 6. Jaswant Singh sons of Shri Bhagwana, 7. Narinder Singh, 8. Surinder Pal Singh sons of Shri Tarlok Chand, 9. Smt. Brahm Raj Devi, wd/o Shri Tarlok Chand, s/o Shri Bhagwana, all caste Rajput, r/o Village Amb, Tehsil Amb, District Una

SUIT FOR DECLARATION

Whereas in the above noted case it has been proved

to the satisfaction of this Court that the above named defendant Shri Jaswant Singh can not be served by way of ordinary process of service as the summon to the said defendant have been received back as unserved. Hence this proclamation under Order 5, Rule 20

C. P. C. is hereby issued to the above named defendant to appear in this court on 31-12-84 at 10 A. M. personally or through their authorised agent or pleader otherwise exparte proceedings shall be taken against the said defendants.

Given under my hand and the seal of the Court this 22nd day of November, 1984.

Seal.

(H.P.)

V. K. GUPTA. Sub-Judge 1st class, Amb District Una H. P.

In the Court of Shri V. K. Gupta Sub-Judge Ist Class Amb, District Una

CIVIL SUIT No. 943 OF 84.

Amar Nath s/o Shri Chhangoo Ram r/o Village Rajpur Jaswan, Tehsil Amb, District Una through his General Attorney Shri Rattan Lal s/o Shri Asha Ram, r/o village Polian Prohitan, Tehsil Amb, District Una. ...Plaintiff.

Versus

I. General Public, 2. Salig Ram s/o Braham Datt, caste Brahmin, r/o village Rajpur Jasswan (Rajpur Jasswan) Tehsil Amb, district Una. ... Defendants.

SUIST FOR DECLARATION

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the above named defendant Shri Salig Ram can not be served by way of ordinary process of service, as the summons issued to the said defendant have been received back as unserved.

Hence this proclamation under Order 5, Rule 20

C. P. C. is hereby issued to the above named defendant to appear in this court on 31-12-84 at 10 A. m. personally or through their authorised agent or pleader otherwise exparte proceedings shall be taken against the said defendant.

Given under my hand and the seal of the court whis 22nd day of November, 1984.

Seal,

V. K. GUPTA
Sub-Judge 1st Class,
Amb, District Una H. P.

In the Court of Shri Jagmohan Singh Mahantan, Sub-Judge 1st Class, Nurpur, District Kangra

EX. No. 15 of 1983

Rachhpal Singh etc. Vs.

Jaswant Singh.

Versus

1. Jaswant Singhs/o Munshi Ram, r/o Gagwan, Tehsil Nurpur, District Kangra Judgment Debtor.

Whereas in the above noted execution petition it has proved to the satisfaction of the court that the above named judgment debtor is evading the service of notices issued against him and cannot be served through an ordinary course of service. Hence this proclamation under Order 5, rule 20, C.P.C. is hereby issued against the above named judgment-debtor to appear before this court on 29-12-1984 at 10. A.M. personally, through an advocate or an authorised agent to defend his case failing which exparte proceedings shall be taken against him.

Given under my hand and the seal of the court on 20th day of November, 1984.

3 x 117

JAGMOHAN SINGH MAHANTAN, Sub-Judge 1st Class,

Nurpur, District Kangra.

PROCLAMATION UNDER ORDER 5, RULE 20, C.P.C.

In the Court of Shri R.K. Mittal, Sub-Judge, Rajgarh District Sirmaur

Case No. 10/10 of 84

Execution Petition.

In case.—M/S Lajja Ram Garg & sons Kuthiala House Yamuna Nagar (Ambala) through Shri Lajja Ram Garg . . . D.H.

Versus

Shri Neter Singh s/o Shri Hira Singh, Forest Contractor, r/o Village Taproli, Tehsil Rajgarh, District Sirmaur Himachal Pradesh ... J.D.

To
Shri Natar Singh s/o Shri Hira Singh, Forest Contractor,
r/o Village Taproli, Tehsil Rajgarh, District Sirmaur.

Whereas in the above noted execution petition, it has been proved to the satisfaction of this court that the Judgment-Debtor above named is evading the service of the summons and he cannot be served in normal course of service.

Hence this proclamation is hereby issued against him to appear in this court on 9-1-85 at 10. A.M. personally or through an authorised agent or pleader to detend the casefailing which ex parte proceedings shall be taken against him.

Geven under my hand and seal of the court this 23rd day of November, 1984.

Seal.

R. K. MITTA L, Sub-Judge Rajgarh, District Sirmaur, H.P. PROCLA MATION UNDER ORDER 5, RULE 20 C.P.C.

In the Court of Shri R.K. Mittal, Sub-Judge, Rajgarh District Sirmaur

Case No.11/10 of 84

Execution Petition

In case.—M/S Ravi Engineering Works, Yamuna Nagar through Shri Ravi Kumar Garg Partner.

Dec. Holder.

Versus

1. M/s Lachhmi Singh Sohan Singh, Forest Lesse, Yamunanagar Head Office Sillisher, P. O. Bhujjal, District Sirmaur Himachal Pradesh via Phagu.

2. Shri Lachhmi Singh Partner of M/s Lachhmi Singh Sohan Singh r/o Sillisher, P.O. Bhujjal, District Sirmaur Himachal Pradesh

 Shri Sohan Singh Partner of M/s Lachhmi Singh, Sohan Singh r/o Sillisher, P. O. Bhujjal, District Sirmaur Himachal Pradesh.

Judgement-Debtor.

To

The above named Judgement-Debtors.

Whereas in the above noted execution Petition, it has proved to the satisfaction of this court that the Judgement Debtors above named is evading service of the summons and they cannot be served in normal course of service.

Hence this proclamation is hereby issued against them to appear in this court on 9-1-85 at 10 a.m. personally or through an authorised agent or pleader to defend the case failing which ex parte proceedings will be taken against them.

Given under my hand and seal of this court the 23rd day of November, 1984.

Seal.

R.K. MITTAL, Sub-Judge Rajgarh. Disirict Sirmaur, H.P.

In the Court of Shri Jagbir Singh Dahiya. Sub-Judge (II)

Una Himachal Pradesh

CASE No. 630/1983

. Amar Nath Sharma Versus Varinder Nath Bhardwaj.

Versus:

1. Narinder Nath 2. Ravinder Nath sons of Ram Chand, Caste Brahman, r/o Village Santokhgarh, Tehsil and District Una, Himachal Pracesh.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the above noted defendants cannot be served through ordinary mode of service as the summons issued to them have been received back unserved. Hence proclamation under order 5, Rule 20 C.P.C. is hereby issued to them to appear in this court on 31-12-1984 at 10 A.M. personally or through an Advocate or authorised agent to defend the case, failing which ex parte proceedings shall be taken against them in accordance with law.

Given under my hand and the seal of the court this the 29th day of November, 1984.

Seal.

JAGBIR SINGH DAHIYA, Sub-Judge (II) Una, Himachal Pradesh. व श्रदालत जनाव A.C. Ist Grade तहसीलदार

ज्ञान चन्द पुत्र वली राम ग्राम टटोह परगना तियून, तहसील धुमारवी जिला विलासपुर (हि ०४०)

वनाम

श्रीमती कान्ता देवी W/O प्रेम च द, साकिन भटवाड़ा, परगना ग्रजमेरपुर, तहसील घुमारवीं जिला विलासपुर (हि0प्र0)

दरहज्ञास्त तकसीम अराजी तादादी 12 बिघा 6 विस्वा खसरा नं0 60-131/63 किता 2/1 वाक्या मीजा टटोह परगना तियून।

दरहवास्त मिसल बरामदगी

हरगाह उपरोक्त मुकदमा में रीकदोम नं 1 श्रीमती कान्ता देवी को इस श्रदालत से कई बार नोटिस जारी किये गये मगर उन पर तामील नहीं हो रही है श्रदालत को यकीन हो चुका है कि उपरोक्त फरीकदोम श्रीमती कान्ता देवी पर साधारण तौर पर समम की तामील नहीं हो सकती। श्रतः फरीकदोम कान्ता देवी को बजरिया इम्तहार श्रखवारी ग्राडंर 5 रूल 20 जाव्ता दिवानी सुचित किया जाता है कि उनकी दरख्वास्त मिसल बरामदगी तकसीम में यदि कोई उजर या एतराज हो तो दिनांक 21-1-85 को या उस से पूर्व ववक्त 10 वजे श्रसालतन या वकालतन हाजिर श्रदालत ग्रावे । बसूरत गरहाजरी में हस्व जावना कार्यवाही श्रमल में लाई जावेगी।

ग्राज दिनांक 22-11-84 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर ग्रद लत से जारी किया गया।

मोहर।

हस्ताक्षरित, सहायक संग्रहकतौ, प्रथम श्रेणी घुमारवीं

. . ग्रसूलग्रलैह ।

व प्रदालत जनाव नायव-तहसीलदार व श्रहःयारात सब-रजिस्टार महोदय हमीरपुर (हि0 प्र0)

मुकदमा नं 0 35 of 24-9-1984

श्रीमती निर्मला देवी वेवा प्रकाश चन्द वासी कौई, मौजा उगयःलता तहसील व जिला हमीरपुर । . .सायला ।

बनाम

ग्राम जनता

दरख्वास्त बराए तस्दीक करने बसीयतनामा दिनांक 11-8-84 वराए मृतवफी श्री प्रकाण चन्द पुत्त श्री परस राम वासी कौही, तप्पा उगयालता, तहसील हमीरपुर जेर धारा 40 व 41 आफ भारतीय रजिस्ट्रेशन ऐक्ट ।

नोटिस बनाम भ्राम जनता

- उपरोक्त विषय पर ग्राम जनता को वगरिया इश्तहार राजपत्न हि0 प्र0 में सूचित किया जाता है अगर किसी को उपरोक्त वसी-यतनामा को तस्दीक किरने हेतु उजर या एतराज हो तो अदालत हजा में असालतन या बकालतन दिनांक 31-12-84 को मुबह 10 वर्गे हाजिर ग्रावे अन्यया कायंबाही यकतरका ग्रमल में लाई आवेगी।

म्राज दिनांक 5-12-84 को हमारे हुस्ताक्षर व मीहर ग्रदालत से जारी हुग्रा।

मोहर ।

लक्ष्मी दत, सव-रजिस्ट्रार, हमीरपुर ।

व प्रशासन जनाव श्री लक्ष्मी दत्त, नायब-तहसीलदार वग्रख्तयार सव-रजिस्ट्रार, हमीरपुर

मुक्हमा नं 0 6 श्राफ 24-1-1984

श्री निक्का राम पुत्र श्री जिंदू राम, वासी भटनोर, तपा उगयासता, नहसील व जिला हमीरपुर (हि0 प्र θ) ..सायल

बनाम

श्राम जनता

मसूलग्र**लेह**

दरख्वास्त जेर घारा 40 व 41 ग्राफ इंडियन रजिस्ट्रेशन ऐक्ट बराये रजिस्टर्ड करने वसीयत नामा मृतविषया श्रीमती शिव देवी वर्ता श्री जिन्दू राम, वासी भरनोट, मौजा उगयालता, तहसील व जिला हमीरपुर ।

नोटिस बनाम ग्राम जनता

उपरोक्त विषय पर ग्राम जनता को वजरीया इश्तहार , राजपन्न हिमाचल प्रदेश सूचित किया जाता है कि उपरोक्त सायल ने उपरोक्त वसीयत नामा वराये तस्दीक करने हें तु गुजारी हैं जिसकी श्राई दा तारीख पेशी 28-12-1984 को अदालत हजा में हैं। इस लिय ग्रगर किसी को उपरोक्त वसीयत नामा को तस्दीक करने में कोई उजर या एतराज हो तो ग्रदालत हजा में दिनांक 28-12-84 को सुबह 10 बजे असालतन या वकालतन हाजर आवें। वसूरत दीगर कार्यवाही ग्रमल में लाई जावेगी।

भाज दिनांक 16-10-84को हमारे हस्ताक्षर व मोहर श्रदालत से जारी हुआ।

मोहर ।

लक्ष्मी दत्त, सब-रजिस्ट्रार, हमीरपुर।

ब धदालत श्री एल । स्नार । वर्मा सहायक समाहर्ता प्रथम श्रणी हमीरपुर हिमाचल प्रदेश

मुकद्मा तकसीम

श्री सुबेदार प्रताप सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह वासी हीरा नगर।

बनाम

सर्विश्री जगदीश र म पुत्र बाबु राम आदि वासी ही रही किया जनवान: मूमि खाता न 0 16 खतौनी न 0 29 to 33 खसरा

उनवान:—भूमि खाता न0 16 खतौनी न0 29 tO 33 खसरा नम्बरान किता 12 रकवा तादादी 4210-08 जमा 0-11 पैसे मुताबिक जमाबन्दी भाल 1980-81 वाक्या टीका हीरा नगर तप्पा वजूरी।

नोटिस बनामः—श्री जगदीश राम पुत्र बाबू राम श्री प्रमोद चन्द विनोद कुमार पिसरान कैपटन नगीना राम वासी हीरा नगर हमीरपुर खास नगर पालिका, सार्वजनिक निर्माण विभाग हमीरपुर।

उपरोक्त मुकद्दमा उनकान वाला में उपरोक्त प्रत्यार्थीगण को कई वार नोटिस जारी किये गये मगर उनकी नामील जाब्ता नहीं हो रही है और वह हाजिर म्रदालत म्राने से टाल मोटल कर रहे हैं। म्रदालत को विश्वास हो गया है कि उनको इतला सारारण तारीके से नहीं हो सकती है। इसलिए इनको इश्तहार ढारा सूचित किया जाता है कि वह बराए पैरवी मुकद्दमा हमारे न्यायालय हजा में दिनांक 1-1-85 समय 10 बजे सुबह को श्रसालतन या वकालतन हाजिर हो कर पैरवी मुकद्दमा करें म्रन्यथा कार्रवाई एकतरफा म्रमल में लाई जावेगी।

श्राज दिनांक 29-11-84 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर श्रदालतः 🕍 जारी हुग्रा।

मोहर।

एल 0 श्रार 0 वर्मा, सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, हमीरपुर, हि0 प्र0

न्यायालय श्री के 0 एन 0 गुप्ता, सहायक भू-एकीकरणाधिकारी एवं सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, नादौन, जिला हमीरपुर हिमाचल प्रदेश

दरख्वास्त श्रीमती हाकमी देवी पत्नी केहर सिंह पुत्र रांझा

बनाम

केहर सिंह पुत्र रांक्षा पुत्र खजाना, दासी फरनाट, मौजा कोहला।

विषय:—तसदीक इन्तकाल नं 0 246 ग्रखराज नाम ववजा मफकूद ऊल-खबरी टीका फरनाट, मौजा कोहला, हदबस्त नं 0 18 ु उप-तहसील नादौन, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

केहर सिंह पुत्र रांझा पुत्र खजाना। ९५ वनाम

श्रीमती हाकमी देवी विध्वः व बीना कुमारी पुत्री मम भाग, निवासी फरनाट, मौजा कोहला, हदबस्त नं 0 18 उप-तहसील नादीन।

मुन्दर्जा उनवान वाला में ग्रारम्भिक तसदीक से पाया गया है कि
श्री केहरी मिह पुत्र राझा पुत्र खजाना समय लगभग 20/22 वर्ष
से लापता है। इस ग्रवधि में उस के वारसों एवं सम्बन्धियों को कोई
ग्रता-पता एवं पत्र ग्रादि नहीं ग्राया है। उस के ग्रखराज नाम के
लिए इन्तकाल सं0 246 श्रखराज नाम बच्चजा मफकूद-उल-खबरी
टीका फरनाट, मौजा कोहला हदबस्त सं0 18 उप-तहसील नादौन
जिला हमी रपुर, हिमाचल प्रदेश, जिसकी सुनाई 31-12-1984
को होनी निश्चित हुई है।

श्रतः हर गाह स्राप को बजरिया इक्ष्तहार हजा सूचित किया जाता है कि यदि वह कहीं जीवित हो या ग्रन्य किसी व्यक्ति को उस के जीवित होने का कोई ज्ञान हो, तो वह स्वयं ग्रसालतन या बकालतन दिनांक 31-12-84 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजर ब्रावें। बसूरत दीगर इन्तकाल ग्रखराज नाम केहर सिंह बनाम श्रीमती हाकमी देवी विधवा व बीना कुमारी पुत्नी तसदीक कर दिया जावगा।

श्राज दिनांक 14-11-84 को मेर हस्ताक्षर व मोहर श्रदालत के जारी हुग्रा।

भीहर ।

के 0 एन 0 गृष्ता, सहायक समाहर्ता, द्वितीय श्रेणी, हमीरपुर ।

ईभूर गर भ्रदालती जेर मार्डर 5, रूल 20 सी0 पी0 सी0

बम्रदालत श्री राजेन्द्र प्रकाश कौशल, तहसीलदार (बम्रख्यारात सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी) तहसील नाहन, जिला सिरमीन (हि0 प्र0)

1. श्री गोपाल शर्मा पुत्र कुन्दन लाल शर्मा, छोटा चौक नाहन, तहसील नाहन, जिला सिरमीर (हिमाचल प्रदेश) ... सायल ।

बनाम

श्री उदय शरन पुत्र वेनी प्रशाद, निवासी जगाधरी जिला ग्रम्बाला हरियाणा ..फरीकसानीयान ।

दरख्वास्त बाबत संहिद इन्जद मिसल नं 0 87/SNT बाबत अराजी नम्बर खसरा 1471 हाल तादादी 28.50 गैर मुमिकत दुकान व मकान रिहायशी पक्का दो मंजिल वाका मुहाल रानीताल (शहर नाहन) तहसील नाहन, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश ।

उपरोक्त मुकदमा में भदालत हजा को स बात का यकीन हो चुका हैं कि उपरोक्त फरीकसानीयान की तामील सामान्य रूप से नहीं हो सकती। म्रतः इस ईश्तहार द्वारा भाम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त फरीकसानीयान जीवित हो या म्राच्य कोई व्यक्ति खो इस का हक रखते हों तो वह इस ईश्तार के जारी होने पर भ्रसालतन ला बकालतन हमारी मुकाम नाहन मिति 2-1-1985 को हाजिर हो कर म्रपना जवाब पेश करें। अन्यथा यह समझा जायेगा कि उपरोक्त फरीकसानीयान (मालिक) कोई कार्यवाही नहीं चाहता, ना ही इस का कोई सम्बन्ध इस से हैं। म्रतः कार्यवाही 'सैहस इन्जद' यक तरफा बहुक सायल से लाई जावेगी।

ग्राज दिनांक 22-8-84 को मेरे हतास्क्षर व मोहर ग्रदालत से जारी हुग्रा।

मोहर ।

राजेन्द्र प्रकाश कौशल, सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी, तहसीलदार नाहन, जिला सिरमौर हिमाचल प्रदेश। ईश्तहार जेर आर्डर 5, रूल 20, सी0 पी0 मी0

व ग्रदालत श्री ग्रजय मित्तल, भा 0 प्र 0 से 0 सहायक ममाहर्ता, प्रथम वर्ग नालागढ़, जिला मोलन,हिमाचल प्रदेश

सरकार

बनाम

जन साधारण ।

मृतक श्री फकीरू राम पुत्र रुलिया, साकिन मौत्रा वारिया, तहसील नालागढ़, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश की जायदाद श्रराजी खमरा नं0 1011/517 तादादी 0-3 व खमरा नं0 162/1 नादादी 5-2 वीघा मलकीयती खुद की वरास्त की बहक जब्ती वारे तस्दीक उन्तकाल।

ईश्तहार वनाम जन साम्रारण

हरगाह भ्राम व खाम को जन साधारण निवासीयान ग्राम बारिया, तहसील नालागढ़, जिला मोलन, हिमाचल प्रदेश को सूचिन किया जाता है कि श्री फकी ह पुत्र हिल्या, निवासी बारियां हस्व रिपोर्ट नहमील नालागढ़ लाकारिस फौत होना पाया गया है जिसकी मलकीयती भूमि का इन्तकाल नं 0 177 मौजा बारिया का निर्णय दिनांक 31-12-84 को मेरे न्यायालय में लिया जाएगा। भ्रतः हर जन साधारण व सम्बन्धित यिक ग्रीद कोई श्री फकी ह मूकि से सम्बध्ित होने का दोवा करता है कि ग्रीद कोई श्री फकी ह मूकि से सम्बधित होने का दोवा करता है या उमकी उपरोक्त जायदाद को बरास्त नहासिल करने का श्रीधकार रखना है तो वह उपरोक्त निय पर सुबह 10 वजे भ्रमालतन व वशालतन उपस्थित भ्राकर भ्रपनी सम्बन्धिता भ्रास्त करने के भ्रधिकारों के नथ्यों को प्रमृत कर प्रामण वाद गुजरने मियाद कोई एतराजान कावले समाम्रत न होगा भ्रीर उपरोक्त इन्तकाल में दर्भाई गई भृमि बहक मरकार नस्दीक कर दी जावेगी।

श्राज दिनांक 29-11-84 को में हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत मे जारी हुआ।

मोहर ।

श्रजय मित्तल, सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, नालागढ़, जिला सोलन, हि 0प्र 0।

बग्रदालत श्री चन्द्र मोहन कौशल, तहसीलदार वग्रख्त्यारात ऐसिसटेंट कुलक्टर, सैकिण्ड ग्रड, तहसील शिमला, हिमाचल प्रदेश

इश्तहार जेर कायदा 5, रूल 20, जाब्ता दिवानी

बावत. तस्दीक इन्तकाल नम्बर 474 ग्रवराज नाम भानामल पुन्न खजाना मल पुन्न जवाहर, निवासी कैथ्, तहसील शिमला, ववजा मखफूद उलखबरी जेर पैरा 7.25 हिमाचल भूग्रभिलेख नियमावली। त

वनाम

भाना मल पुत्र खजाना मल पुत्र जवाहर, निवासी कैंयू, तहसील श्रिमला ।

इस इक्तहार द्वारा भाना मल उपरोक्त तथा उसके हकदारान बाजगश्त को खास तौर पर ग्रौर सर्व साधारण को ग्रामतीर पर सूचित किया जाता है कि भाना मल उपरोक्त ग्राराजी खसरा नम्बर 250 व 251 किता 2 तादादी 1-13 विघा वाका चक कैंगू 1/8 भाग का मालिक दर्ज कागजात माल है परन्तु वह ग्रराजी उपरोक्त पर ग्ररसा जायद ग्रज 12 साल ग्रर्थात 1928 से काविज नहीं ग्रौर ना ही उस समय से उसका कोई पत्र व्यवहार उसके किसी निकट सम्बन्धी को प्राप्त हुग्रा जिससे यह सिद्ध होता है कि भानामल उपरोक्त ग्रब जीवित नहीं । उसके किसी हकदार वाजगश्त ने भी इस समय के भीतर कभी न तो ग्रराजी उपरोक्त पर कब्जा ही किया ग्रौर नाही किसी प्रकार की चाराजोई ही की । श्री सीता राम मुके ग्राज हिस्सादार ने इस ग्रदालत में एक दरख्वास्त पेश की कि भानामल उपरोक्त की नाम पैरा 7.25 हिमाचल भू-ग्रभीलेख नियमावली के ग्राधीन कागजात माल से खारिज करके वरास्त बहक सरकार ववजा गैरहाजर व गैरकाबज दर्ज कागजात माल की जावे।

ग्रतः हुक्म हुग्रा कि इन्तकाल ग्रखराज नाम भाना मल उपरोक्त नम्बर 474 मौजा कैयू दर्ज कागजात माल किया जा कर श्री भाना मल उपरोक्त, उस के हकदारान वाजगश्त तथा सर्वसाधारण को

बजरिया इक्तहार सुचित किया जाता है कि यदि वह कहीं भी हो ग्रयवा किसी को ग्राराजी उपरोक्त में हक हासिल हो तो वह ग्रसालतन या वकालतन मिति 1-1-1985 बरोज शनिवार इस कार्यालय में हाजिर ग्रा कर ग्रपना-ग्रपना एतराज मय दस्तावज मुतल्लिक पेश करें ग्रन्यथा इन्तकाल उपरोक्त बहक सरकार स्वीकार किया जावेगा श्रौर कोई भी उजर व एतराज उपरोक्त तिथि के पश्चात काबिल समायत न होगा।

म्राज मिति 30-11-84 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर ग्रदालत के जारी हमा ।

मोहरा

चन्द्र मोहन कौशल, सहायक समाहर्ता, प्रथम श्रेणी,

शिमला ।

ं प्रत्यार्थीगण ।

व ग्रदा 🛪 ाहायक समाहर्ता (प्रथम श्रेणी) तहसील सदर, मण्डी, जिला मण्डी, (हि0 प्र0)

मुकड्मानं 0 9/83

म्रागामी तारीख सुनवाई--3-1-1985

(1) प्रेम चन्द, (2) नेक राम पुत्रगण, (3) मु0 पड़ितला, (4) मू0 लज्या देती, (5) मु0 तुलसी देवो पुलियां, मु0 बर्फी देवी विश्ववा हिस्सा निवासी पाखरी, इंलाका द्रेग सिरा, तहसील सबर, जिला मण्डी . . शार्थीगण।

बनाम

(1) ग्या र पुत्र सरजु निवासी भुम याण, इलाका चोहार, तहसील जोगिन्द्र नगर, (2) वीणा (3) किशन पुत्र परमा निवासी पाखरी इलाका

द्रगिसरा तहसील सदर (4) मु0 चणी विधवा परमा, निवासी लचकण्डी

(5) मु0 बुढ़ी पुत्री परमा निवासी धमक्षाण इलाका चोहार, तहसील जोगिन्द्रनगर, (6) मु0 क्बजा पुत्री, (7) तुलसी राम, (8) गंगा पुत्र परम', निवासी पाखरी, इलाका इंग सिरा, तहसील सदर, मण्डी, (9) बालम राम पुत्र राम दयाल, निवासी स्योह, इलाका संघोल, तहसील सरका-

घाट, जिला मण्डी

दावा भूमि विभाजन

उपरोक्त मुक्ट्मा बाला में फरीक दोयम को कई बार खरालत हुजा से मुकद्मा की गैरवी हेतु समन जारी किए गए लेकिन समन की तामील नहीं हो रही है। ग्रदालत हजा की ग्रव विश्वास हो गया है कि उपरोक्त प्रत्यार्थीगण को समन ारा रूचना नहीं हो सकती । अतः प्रतिवादी जन-रोक्न को बन रीया ईक्तहार सूचित किया जाता है कि वे आगामी तारीख पेशी 3-1-1985 का मुकड्मा की पैरवी हेतु ग्रसालतन या बकालतन

ग्राज दिनांक 23-11-84 को हमारे हत्ताक्षर व मोहर ग्रदालत से जारी हुआ।

हाजिर ब्रावें ब्रत्यया कार्यवाड़ी एक तर्फा ब्रमल में लाई जावेगी।

नोहर।

हस्ताक्षरित/-सहायक समाहर्ता (प्रथम श्रेणी), तहसील सदर, मण्डी।

ब ग्रदात्रत सहायक समाहर्ता (प्रथम श्रेणी) तहसील सदर, मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मुकद्मा नं 0 8/83

म्रागामी तारीख पेशी 3-1-1935

ब मुकद्दमा --- (1) श्री प्रेम चन्द, (2) नेक राम पुत्र, (3) मु0 पड़ितना, (4) मु0 लज्या देवी, (5) तुलसी देवी पुविया, (6) मु0 वर्फी देवी विधवा हिरदा पुत्र ग्रवह, निवासी पारवती ईलाका द्रंगसिरा, तहसील सःर, जिला मण्डी . . रार्थी ।

 ग्याहरु पुत्र सर्जु, निवासी भुमन्धाण, इलाका चोहार, तहसील जोगिन्द्र नगर, (2) बीगा, (3) किशन पुत्र परमा, (4) श्रीमती चणी विधवा परमा, निवासी लचकण्डी, इलाका चोहार, तहसील जोगिन्द्रनगर, (5) बुद्धि पुत्री परमा, निवासी भूमच्याण, इलाका चोहार, तहसील जोगिन्द्रनगर, (6) मु0 कुबजा पुत्री (7) तुलसी राम, (8) गंगा पुत्र ग्रहमा, (निवासी पाखरी, इलाका दंगसिरा, तहसील सदर, म डी जिला।

दावा भूमि विभाजन

उपरोक्त मुकद्मा वाला में फरीक दोयम को कई बार समन जारी किए गए लेकिन, श्री गंगा राम तथा तुलसी राम के इलावा किसी को भी बर्जारवा समन सूचना नहीं हो रही है। ग्रदालत को ग्रब विश्वास हों गया ह कि उपरोक्त प्रत्यार्थीगण को समन द्वारा सूचना नहीं हो सकती। ग्रतः उपरोक्त प्रतिवादीगण को बजरीया ईश्तहार सूचित किया जाता है कि वे बागामी तारीख पेशी 3-1-85 को मुकदमा की परवी हेतु असालतन

या वकालतन हाजिर आवें अन्यथा कार्यवाही एकतरफा अमल में लाई

भाज दिनांक 23-11-84 को हमारे इस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुमा।

मोहर ।

हत्तार्करितं/-सहायक समाहर्ता (प्रथम श्रेणी), तहसील सवर, मण्डी।

ब भ्रदालत श्री बी 0 डी 0 सर्मा, उप-पंजीकाध्यक्ष, तहसील सदर, मण्डी, 🔊 (हि0 স0)

ब मुकदमा श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री प्रभ दयाल, निवासी ठावन,

ईलाका बल्ह, तहसील सदर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

. . प्रस्यार्थी ।

..प्रार्थी ।

भाम जनता

बसीयत नामा पंजीकरण हेत्

हर खास और ग्राम को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी ने 17-9-84 को इस प्रदालत में एक दरखा त गुजारी है कि श्रीमती जानकी बेवा हिरा, निवासी ठावण, इलाका बल्ह तहसील सदर, जिला मण्डी, हि0 प्र0 ने प्रार्थी के हक में 29-3-1978 हो एक वसीयतनामा लिखा है। श्रीमती जानकी 20-4-78 को स्वर्गवास हो चुकी है तथः ग्रब प्रार्थी श्री प्रकाश चन्द्र इस ।सीयतनामा को रजिस्टर करवाना चाहता है 📗 लिहाजा बज^{़र}या इश्तहार ग्राम जनताको सुचित किया जाता है कि ग्रगर किसी

भाज दिनांक 23-11-84 हो हमारे हस्ताक्षर व नोहर भ्रदालत से जारी हुम्रा है।

को इस विलेख को पंजीकृत करवाने में कोई उजर व एतराज हो तो वह

बसालतन या वकासतन इस बदालत में मिति 31-12-84 को अपने

उजर व एशराज पेश करे ग्रन्थया कार्यवाही जाब्ता ग्रमल में लाई

बी 0 डी 0 शर्मा,

सब-रजिस्ट्रार, सदर, तहसील सदर, मण्डी। HIMACHAL PRADESH FINANCIAL CORPORATION,

NOTIFICATIONS

Shimla-1, the 15th November, 1984

SHIMLA

No. HPFC/21-229/82.—Whereas Messrs J. B. Leather Board, Plot No. 27, Sector-II, Industrial Area, Parwanoo, District Solan (H. P.), a partnership concern of S/Shri Som Datt s/o Rum Chand, r/o Village Kiara, P. O. Mengoti, Tehsil Barsar, District Hamirpur (H. P.) and Bishan Dass Sharma s/o Suhnu Ram, r/o Village and

P. O. Changer, Tehsil and District Hamirpur (H. P.) were sanctioned a loan of Rs. 12.98 lakhs (Rupees twelve lakhs ninety-eight thousand only) by the Himachal Pradesh Financial Corporation for the construction of factory building and purchase of plant and machinery for setting up a unit for the manufacture of Leather Boards at Parwanoo, District Solan (H. P.).

And whereas for securing the repayment of the said loan and interest thereon the said industrial unit executed agreements dated 3-7-1981 and 11-5-1982, agreements of hypothecation dated 4-7-1981 and 11-5-1982 and also creaded equitable mortgage by depositing title deeds of the properties of the concern in favour of the Corporation, mortgaging/hypothecating the properties mentioned in Schedule 'A' hereunder. In the said documents it was inter alia agreed by the said industrial unit that repayment of the loan amount would be made in accordance with the repayment schedule entered in the said documents besides interest.

And whereas the said incustrial unit has committed defaults in repayment of the loan amount according to the said repayment schedule and also of interest and has failed to honour its undertaking and commitments and has not so far cared to clear the outstanding defaults despite demands and notice served upon it, and whereas according to the terms of the aforesaid documents, the entire amount together with interest upto the date of realisation of the full amount has become due for payment at once which has accumulated to Rs. 15,57,100.47 as on 22-8-84 including interest upto 9-7-1984.

Therefore, the Himachal Pradesh Financial Corporation has decided to take over the possession of the pledged assets of the said industrial concern M/s J. B. Leather Board, 27, Sector-II, Industrial Area, Perwanoo, District Solan (H.P.) under section 29(1) of the State Financial Corporations Act, 1951 (Central Act No. 63 of 12 951) with a right to transfer by way of lease or sale old the property mortgaged/hypothecated under the said documents to the Himachal Pradesh Financial Corporation and realise therefrom its outstanding dues, in case the said industrial unit fails to clear its outstanding liability to the Corporation within fifteen days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE 'A'

Details of mortgaged hypothecated properties mentioned hereinabove

Lease hold rights of plot No. 27, measuring 1129 sq. metres situated at Sector-II, Industrial Area, Parwanoo, District Solan (H. P.) together with building and other structure constructed thereon along with plant and machinery as detailed below:-

- Two Fibrazor Machines, fitted with 11 heavy steel knives and nine storage boxes without
- One hydraulic press, capacity 600 mt 4 iron pillars, two heavy stay-four jacks-capacity 100 sheets per sequence of one hour.
- One Cylender Michine with chilled rolls, cast iron stands, brackets fitted with brass pulleys.
- Four Moulding.
- One Vacuum Pump, delivery 3" speed 1500 RPM with bed plate-completed.
- One Mixing tank, Rotor 10" with steel knives in 7 side brackets stands complete.
- One Wishing tink, size 8'x10' with one shaft, full grooved and mash fitted.
- Four Chemical Tanks, size 5'x6'-deep 5'.
- One Pulp Storage Chest, size 4'x16' depth 5'fitted with shaking rotar and gear box arrange-
- One Cutting Machine, with automatic paddle-two upper and power devices sted knives of 45".
- 3000 Aluminium plates of 30"x42" of 14 swg. all grooved for moulding beds, washing tank.

- 12. 12 Plates aluminium of 30"x42" of 14 swg. all grooved for moulding beds-washing tank.
- One Washing Bocki, made of barrel-3" for washing moulding bed plates-oil immersed.
- 14. One Weighing Machine with one 500 kg. A very made-flooring plat form machine with extra platform.
- 15. One Lethe 8' heavy duty with bearing.
- One Knife grinder, automatic with left and right movements.
- One shoper, size 36"-heavy duty-complete.
- 18. One Welding set, 400 Amp-copper winded-oil immersed for knives.
- 19. One Drill Machine, size 1-1/2" with predelarrangement, bread type pully system.
- One 1" Hand Crill.
- Two sets Extra knives made of steel for fibrazor machine.
- Thickness tester, range 1 mm.
 One Filter Cloth 200 Mtrs. for shafts placing. 23.
- One Electric Drying chamber, size 14'x7' with Thermostat sheets, revolving wire, element managers-pullers etc.
- One Transformer 200 KVA, aluminium winded oil immersed complete with panel board—G.O. W. Switch etc.
- 26. Two Steel tanks of 15'x15'x10'.
- 27. One Back Water Lifting Pan. 28.
 - Pipe Line for Water
- 29. Transformer Panel of 90 switches.
- 30. Around Cable fittings.
- 31. 4 KV Piles for transformer.
- 32. Six Electricity Busbar. Electric Motors:

HP **RPM** No. (a) Fibrazor Machine ... 40 960 20 960 5 960 (b) Hydraulic Press 15 1 1440

(c) Cylender Machine ...
(d) Moulding bed ... 20 960 1 (e) Vacuum Pump 15 1 1404 ٠. 960 (f) Mixing tank 10 (g) Washing tank 5 960 (h) Chemical tank 5 1 1440

(i) Pulp Storage Chest ... 1440 (j) Cutting machine 1440 (k) Washing Bocki 5 1440 1

(1) Lathe machine 1440 1404 (m) Grinder machine ... 960 (n) Drill machine

Shimla-1, the 15th November, 1984

No. HPFC/21-254/83.—Whereas M/s Cee Kay Industries, Boddi Road, Near Industrial Area, Barotiwala, District Solan (H.P.), a sole proprietary concern of Shri Chittranjan Kumar Gupta s/o Shri Shiv Kumar Gupta, r/o House No. 10, Sector-3, Chandigarh, were sanctioned loan of Rs. 3.05 l khs (Rupees three lacs and five thousand only) by the Himachal Predesh Financial Corportion for construction of building and purchase of plant and machinery for setting up a unit for the manufacture of stainless steel utensils out of which they av iled Rs. 2,79,200/-.

And whereas for securing the repayment of the said loan and interest thereon the said industrial concern executed agreement dated 25-3-1981 and agreement of hypothec tion dated 26-3-1981 and also created equitable mortg ge by depositing title deeds of the properties of the industrial concern besides deed of guarantee in favour of the Corporation, mortgaging/hypothecating the properties mentioned in Schedule 'A' hereunder. In the said agreement it was inter alia agreed by the said industrial unit that repayment of the loan amount would be made in accordance with the repayment scheoule entered in the said agreement besides interest.

And whereas the said industrial unit has committed defaults in repayment of the loan amount according to the said repayment schedule and also of interest and has failed to honour its undertakings and commitments and has not so far cared to clear the outstanding dues despite demands and notices sent to it, and whereas according to the terms of the aforesaid documents, the entire amount together with interest upto the date of realisation of the full amount has become due for payment at once which has accumulated to Rs. 3,87,713.86 as on 10-10-84 including interest upto 9-10-84.

Therefore, the Himachal Pradesh Financial Corporation has decided to take over the possession of the pledged property of said industrial unit M/s Cee Kay Industries, Baddi Road, Near Industrial Area, Barotiwala u/s 29 of the State Financial Corporation Act, 1951 (Central Act No. 63 of 1951) with a right to transfer by way of lease or sale of the property mortgaged/ hypothecated under the said documents to the Himachal Pradesh Financial Corporation to realize there from its outstanding dues, in case the said industrial unit fails to clear its outstanding liability to the Corporation within fifteen days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE 'A'

Details of mortgaged/hypothecated properties hereinabove referred to.

Free hold land measuring 1 Bigha 17 Biswas comprised in Khasra Nos. 463/391/3, Khata No. 83, Khatoni No. 126 situated at village Barotiwala, Pargana Doon, Tehsil Kasauli, District Solan (H.P.) along with building and other fixtures constructed thereon together with plant and machinery as detailed below:-

- One Circle Cutting machine (hand operated) capacity upto 7" diameter.
- One Circle cutting machine (hand operated) capacity upto 24".
- One Double action deep drawing toggle press capacity blank size 25" deep draw 8".
- One Electric Motor 15 HP
- Drilling Machine with 2 HP Motor.
- Double ended grinding machine with 2 HP Motor.
- Heavy duty gap bed type centre lathe 8' bed, 20" gap centre height 48".
- One 3 HP Motor.
- Three Spinning lathes 6' bed, height of centre 12" with 2 HP Motor.
- Two Buffing and Polishing Machines with 3 HP 10. Motors.
- One Annealing furnace. One Matador Pick-up Van. 12.

13. Dies, tools and tackles etc.

Sd/-General Manager.

SHIMLA DEVELOPMENT AUTHORITY KHALINI SHIMLA

Shimla-2, the 3rd December, 1984

No. SDA-3/84-3721-3771.—The Town Development Scheme for the area Kasumpti Zonal Centre as approved under sub-section (4) is hereby published as required under sub-section (7) of section 52 of H. P. Town & Country Planning Act, 1977 for the information of general public and the copies of the said scheme are available for inspection during office hours at the following offices, namely:-

- Director, H. P. Town & Country Planning Orgn., U. S. Club, Shimla-171001.
- Chief Executive Officer, Shimla Development A: thority, Khalini, Shimla-171002.

The said scheme shall come into operation from the date of its publication in the official gazette.

> ER. S. P. SHARMA, Chief Executive Officer, Shimla Development Authority Khalini Shimla-171 002.

KASUMPTI ZONAL CENTRE SCHEME

Introduction:

Basically, Shimla was one of the planned cities in the Country known as the 'Queen of Hills' in the L of Himalayas. However, during the recent decades, nothing tangible could be done to guide its growth pattern on scientific lines. The structure of Shimla town was originally designed by the Britishers for a probable population of 25,000 and as a health resort with secondary function of summer Capital. Now the function of Shimla City has completely changed without changing the city infrastructure, suiting to its functional requirements resulting in creation of a number of problems such as:

- Concentration of all the basic facilities in the hub of the city;
- Deforestation of natural landscape; Erosion of land by hill-cutting, sinking and sliding of land due to heavy load of buildings
- in certain pockets; (d) Congested built-up areas at a number of places;
 - Traffic hazard and parking problems;
 - Non-segregation of uses;
- Missing links between place of work and place . (g) of living;
- Inadequate city infrastructure;
- Uncontrolled growth pattern and migration influx.

The Himachal Pradesh Government is however, serious about the planned development of city and some efforts have been made in this direction during the recent years.

SHIMLA INTERIM DEVELOPMENT PLAN AND ITS STRATEGY FOR DEVELOPMENT

The State Government has prepared an Interim Development Plan for Shimla Planning Area under section 17 of the Himachal Pradesh Town & Country Planning Act, 1977 and this is in operation since 31st March, 1979. The Interim Development Plan was formulated to check the haz rd and unplanned growth. Shimla has been proposed to be developed in seven zones keeping in view proper spread of public and semi-public facilities besides commercial and other activities. Amongst these seven conceived planning zones of Interim Development Plan for Shimla Planning Area, Kasumpti/Chhota Shimla area being next in favourability to main Shimla has every likelihood to accommodate the over constrained activities of Central Shimla.

KASUMPTI ZONAL CENTRE

The site of Kasumpti Zonal Centre lies on either side of the Kasumpti spur. This spur is privileged by the beautiful natural landscape vistas, iavourable grades for development. The favourability of the Kasumpti area as being next to Central Shimla has arisen from the following reasons :-

- (i) It is directly linked, in the from of crescent from pedestrain walkway i.e. The Mall. The walkable distance is on easy grade from the city centre to this area. This distance is of 2 km. which is 30 minute easy walk from Shimla and 7 minutes from Chhota Shimla;
- (ii) It would directly be approachable form the byepass. This would be highly favourable to all activities such as whole-sale and vegetable market etc.
- The area has got the advantage of geographical favourability i.e. in the form of availability of sufficient developable land;

- (iv) Sunny sites with bright atmosphere and beautiful natural vistas;
- (v) The area is proposed to accommodate the new capital complex which would increase the potentiality of the area; and
- Because of Governmetal activities, population of the area is increasing, demanding infrastructural facilities etc.

Further, this site of Kasumpti Zonal Centre is located at an Atitude of about 6500' above M. S. L. This is almost an open land at the Southern spur of Chhota Shimla.

Out of total 191 bighas and 07 biswas of land, 105 bighas and 10 biswas of land belong to private individuals and rest 85 bighas and 17 biswas belong to Government. This land is comprised in four villages namely Chhota Shimla, Kasumpti-Junga, Patti Rehana Hadbast No. 121 and Patti Rehana Hadbast No. 14. Out of 105 bighas and 17 biswas, land measuring 8 bighas and 14 biswas is under acquisition and rest had already been acquired. This site has also been served by the existing trunk network of sewers, running along its both sides which would be linked by the main sewers thus making the scheme economically viable. Therefore, the scheme for Kasumpti Zonal Centre was formulated under Integrated Development of Small and Medium Towns sponsored by the Government of India. The strategy of this scheme is to decongest central part providing infrastructural facilities in the of Shimla by Kasumpti Zonal Centre. The different types of activities/ facilities to be provided would be such as Housing, Commercial, Traffic and Transportation, Recreational, Environmental Conservation, Health Care, Police Station Fire Protection, Educational Institutions, etc.

PROPOSED DEVELOPMENT

Different types of buildings, their use etc. are proposed to be developed as under. The use of certain area shall be determined subsequently. It is because of non-finalisation and development of Shimla bye-pass.

S.	Name of Scheme	Nos. of Units
1	2	3

1. Development of Residential Area:

(b)	E.W.S./L.I.G. M.I.G-I M.I.G-II	186 96 336
		618

	2	
_		_
2.	Development of Commercial Plots:	

7

7
-
0
6
ĭ
Ţ
1

3. Development of Parking Lot and Auction Platform:

		•
(a) (b)	Auction Platform Parking facilities	1 2

4. Public and Semi-public facilities:

(a)	High School	1
(b)	Health Centre	i
(c)	Police Station	1
(d)	Fire Station	
(e)	Community Hall/Library	
(f)	Toilets	
(g)	Petrol Pump	

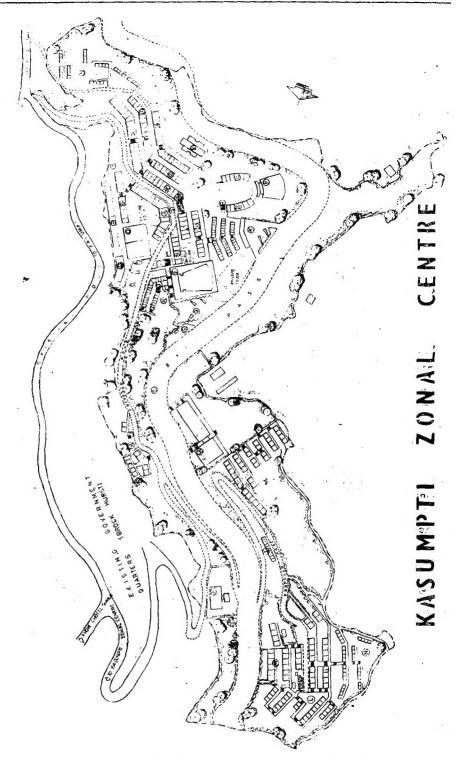
- 5. Landscaping and Natural wood-lands:
 - (a) Open space and parks including areas for which use to be subsequently determined.
- 6. Circulation:
 - (a) Roads, Steps, Foot path etc.

DEVELOPMENT/CONSTRUCTION PROGRAMME

Shimla Development Authority will develop the commercial sites in a phased manner. Housing Scheme will be taken up in hand and construction of various categories of flats will be undertaken. All the basic amenities i.e. water supply scheme, sewerages, drainages and roads/footpaths, landscape and development of parks and toilets etc. will be provided/developed by the Shimla Development Authority. Other infrastructural facilities relating to Education, Medical, Fire Station, Police Station etc. will be taken by the respective departments.

DISPOSAL OF PROPERTY

The flats of different categories such as EWS/LIG, M.I.G-I & M.I.G-II would be allotted by resorting to draw of lots to the prospective buyers by getting their names registered after payment of the registration amount fixed for different categories of flats. The disposal of commercial sites would be through auction. The plots earmarked for infrastructural facilities would be allotted to the concerned Government departments as and when required.



SHIMLA DEVELOPMENT AUTHORITY

Legend:

Shop-cum-flat

Shop-cum-flat
Fruit/Vegetable shop
Police Station

Cinema

Fire Station
Petrol Filling Station
High School
Health Centre

47 90 40

Kiosks
Auction Platform
Housing MIG. I
Housing MIG. II
Housing E. W. S./L. I. G.

Offices
Community Hall/Library
Parking Facilities
Toilets

Roads 24.30 mt. and 5.0 mt.

Local Shopping

In the Court of Shri Jagbir Singh Dahiya, Sub-Judge (II) Una, H. P.

Case No. 316/1983

Harbans Singh

versus

H. P. State

(Versus :

1. Surinder Singh s/o Harbans Singh, caste Jat, r/o village Banga, Tehsil Nawan Shahar, District Jalandhar at present r/o village Nangal Kalan, Tehsil and District Una.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that the above noted legal representative of Shri Harbans Singh cannot be served through ordinary mode of service as the summons issued to him have been received back unserved. Hence proclamation under order 5, rule 20, C. P. C. is hereby issued against him to appear in this court on 31-12-1984 at 10.00 A. M. personally or through an advocate or authorised agent to defend the case, failing which ex parte proceedings shall be taken against him in accordance with law.

Given under my hand and the seal of the court, this lst day of December, 1984.

Seal,

JAGBIR SINGH DAHIYA, Sub-Judge (II), Una,

माग 6--मारतीय राज्यव इत्यादि में से पुनः प्रकाशन

भून्य

भाग 7--मार्सीय निर्वाचन आयोग (Bioction Commission of India) की वैद्यालिश अधिसूचवाएं तथा श्रम्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसुचनाएं

श्रुन्य

ग्रनुपूरक

भूम्य

			PAR	ГI			
1 1. ·	लोक निर्माण विभाग						
				1	2	3	4
ग्रधिसूचना दिनांक, 3 दिसम्बर, 1984					1267/2	0	4
					1262/1	0	3
					1392/1	0	2
संद्र्या लो । नि । (ख) । (1) । ८/८३.—हिमाचल प्रदेश सरकार को ग्रपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः शिमला-कालका मार्ग के बनाने हेतु निम्नलिखित विनिर्दिष्ट भूमि नहीं चाहिए ।					1286/1281/3/1	0	2
					1283/2/1	0	15
					1281/1/1	0	1
					1586/1281/1	1	2
ग= • गत राज्य	पाल, हिमाचल प्रदेश, भू-म्रर्जन म्रा	वितिसम् ।	R Q 4 की		1281/2	0	1
अतः अभाराज्य सन्दर्भ ४६ के सन्दर्भ	गरा, हिनापरा त्रपत्, पूलापा जार गह पटल अस्तियों का प्रयोग करते		1513/1391/1	0	4		
धारा 48 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस विभाग द्वारा जारी की गई ग्राधिसुचना संख्या लोग निग्र (ख) 9 (1) 8/79					1391/1	0	9
दिनांक 23-5-81 जिसके द्वारा ग्राम श्रीनगर, तहसील कण्डाचाट, जिला					1487/1	0	5
पोजन में शिमला-	कालका मार्ग बनाने हेतु भूमि श्रजित		1390/1	0	4		
से निम्नलिखित भ	मि अर्जन कार्यवाही को सहर्ष वापिस		1689/1163/2/1	0	14		
arranga g	The state of the s		1484/2/1	0	13		
विवरणिका					1188/1	. 1	3
144 (1411					1859/1269/5/2	0	4
ंत्री : सोलन तहसील : कण्डाघाट					1268/2	0	2
					1190/1	0	3
		क्ष	त्र		1500/1186/2/2	0	1:
गांव	खसरा संख्या	बीघा	बिस्वा		1485/2/1	0	1 1
1	2	3	4		1485/1	0	4
					1395/1	7	1.5
श्रीनगर	1784/1167/3/2	0	2		1589/1540/1272	0	1
	1187/1168/2	0	3				
	1806/1577/1270/2	0	3	C	00	18	1
	1189/1/1	0	4	कितात	34	1.0	
	1189/1/2	0	7				
	1189/1/ 3 1189/3/1	0	1 2				
	1393/1	1 0	16				ग द्वारा,
							षं गुप्त

HIMACHAL PRADESH HIGH COURT

NOTIFICATION

Shimla-1, the 14th December, 1984

No. HHC/Misc. 6-20/77-V-16537.—The Hon'ble the Chief Justice and the Judges are pleased to declare, Monday, December 24, 1984 as a closed holiday to be observed in this Court and the Courts subordinate to it, throughout the State of Himachal Pradesh, in order to make it convenient for every voter to exercise his/her right of franchise during the ensuing General Election to the Lok Sabha.

By order, R. L. KHURANA, Registrar.